मंगलवार
01 मार्च 2022

पृष्ठ 4

याद्दाश्त बढ़ाने के साथ कम करता है वजन बैंगन

पृष्ठ 5

फिल्म की रिलीज के बाद और भी ज्यादा सुर्खियों में छाई गंगूबाई

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 36
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

युवावस्था आवेशमय होती है, वह क्रोध से आग हो जाती है तो करुणा से पानी भी।

— प्रेमचंद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

भारत सरकार ने भारतीय नागरिकों को जारी की नई एडवाइजरी

सलाहः तुरंत कीव छोड़ दें भारतीय

संवाददाता

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग आज छठे दिन उस खतरनाक दौर में पहुंच चुकी है जब कभी भी कुछ भी संभव है। यूक्रेन की राजधानी कीव और खारकीव पर कब्जे के लिए रूस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। कीव की तरफ रूसी फौजों के 40 किलोमीटर लंबे काफिले के कूच के बीच आज भारत सरकार ने यूक्रेन की राजधानी कीव में फंसे भारतीय नागरिकों के लिए नई एडवाइजरी जारी करते हुए तत्काल कीव छोड़ने के आदेश दिए हैं।

भारत सरकार द्वारा आज जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि भारतीय दूतावास सहित सभी भारतीय नागरिक तुरंत कीव छोड़ दें। इन नागरिकों से कहा गया है कि वह ट्रेन, बस, कैब आदि जिससे भी संभव हो सके, तुरंत राजधानी कीव से बाहर निकल आए और बॉर्डर तक आने की कोशिश करें। उधर आज भारत द्वारा यूक्रेन को मानवीय सहायता देने की भी घोषणा की है। जिसमें आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं, पेयजल

❑अब तक 9 उड़ानों के जरिए दो हजार से अधिक की वापसी
❑कीव सहित तमाम शहरों में अभी भी फंसे हैं 15 हजार लोग

व खाद्य पदार्थ आदि शामिल है। भारतीय विमान आज माननीय सहायता लेकर यूक्रेन रवाना हो रहा है।

उधर भारत द्वारा यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों और छात्रों की वतन वापसी के लिए चलाए जा रहे अभियान गंगा को भी तेज कर दिया गया है। एयर इंडिया सहित कई निजी विमानन कंपनियों के विमानों को पोलैंड, रोमानिया और स्लाकोबिया भेजा जा रहा है, जिससे यूक्रेन की सीमा तक पहुंचे भारतीयों को स्वदेश लाया जा

गोलाबारी में भारतीय छात्र की मौत

नई दिल्ली। यूक्रेन में चल रही गोलाबारी में आज एक भारतीय छात्र की मौत हो गयी है। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा इस बात की पुष्टि करते हुए शोक जताया गया और मृतक के परिजनों से सम्पर्क किया गया है।रूस द्वारा यूक्रेन पर किये जाने वाले हमले का आज 6वां दिन है। आज तड़के रूसी सेना द्वारा यूक्रेन की राजधानी कीव व उससे लगते शहर खारकीव पर पूरे दल बल के साथ हमला किया गया है। बताया जा रहा है कि इस गोलाबारी की चपेट में आकर एक भारतीय छात्र की मौत हो गयी है। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा इस घटना पर शोक जताते हुए मृतक छात्र के परिजनों से सम्पर्क किया गया है।

सके। अब तब अभियान गंगा के तहत नौ उड़ाने यूक्रेन के पड़ोसी देशों से भारत पहुंच चुकी है। जिनके ◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

एसटीएफ ने पांच हजार के ईनामी को गाजियाबाद से किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने दो साल से फरार चल रहे पांच हजार के ईनामी को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि एसटीएफ व रूद्रपुर पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाते हुए रूद्रपुर के पांच हजार

के ईनामी विजयवीर सिंह पुत्र खचेडू सिंह निवासी रजबपुर अमरोहा को इन्द्रा चौक, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि विजयवीर सिंह दो साल से फरार चल रहा था उसके गजरौला में किराये के मकान में छुपकर रहने की सूचना मिली थी जिसपर एसटीएफ ने कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार किया। अजय सिंह ने बताया कि विजयवीर सिंह पेशे से सरकारी जूनियर हाईस्कूल अफजलपुरलूट रजबपुर अमरोहा में सहायक अध्यापक है और उसके द्वारा अपने लाभ के लिए वर्ष 2019 में उत्तराखण्ड अधीनस्थ चयन आयोग द्वारा आयोजित सहायक अध्यापक एलटी व कनिष्क सहायक डाटा एण्ट्री आपरेटर की लिखित प्रतियोगी परीक्षा में सुनियोजित षडयन्त्र के तहत जनपद ऊधमसिंह नगर के 22 अभ्यार्थियों को छदम अभ्यार्थियों के माध्यम से परीक्षा दिलवायी गयी, गडबडी सामने आने पर आयोग द्वारा इस सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज कराया गया। जिसके बाद से विजयवीर तभी से फरार चल रहा था जिसके बाद उसपर पांच हजार रूपये का ईनाम घोषित किया गया था जिसको गिरफ्तार कर लिया गया है।

ऑपरेशन गंगाः यूक्रेन से 182 भारतीय नागरिकों को लेकर एअर इंडिया का विमान मुंबई पहुंचा

मुंबई । एअर इंडिया एक्सप्रेस का एक विमान यूक्रेन में फंसे १८२ भारतीय नागरिकों को रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट से लेकर मंगलवार सुबह मुंबई पहुंचा। विमानन कंपनी के एक प्रवक्ता ने बताया कि एअर इंडिया एक्सप्रेस का विमान बुखारेस्ट से कुवैत होते हुए सबह सात बजकर ४० मिनट पर मुंबई पहुंचा। बता दें कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए लगातार श्ऑपरेशन गंगाश चलाया जा रहा है। यूक्रेन से भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए विमान सोमवार को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) से बुखारेस्ट के लिए रवाना हुआ था। भारत रूस के यूक्रेन पर हमला करने के बाद युद्धग्रस्त देश में फंसे अपने नागरिकों को २७ फरवरी से रोमानिया और हंगरी के रास्ते स्वदेश रहा है। रोमानिया और हंगरी यूक्रेन के पड़ोसी देश हैं। बुखारेस्ट से मुंबई पहुंचा यह दूसरा निकासी विमान है।

राहतः देश में पिछले 24 घंटों में आए कोरोना के करीब 7 हजार नए केस

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। इसी क्रम में देश में पिछले २४ घंटों में ६,६१५ नए मामले सामने आए हैं, जोकि सोमवार के मुकाबले १०६८ मामले कम हैं। वहीं, अब देश में कुल मामलों की संख्या ४,२६,३१,०४५ हो गई है।

भारत में पिछले २४ घंटों में १८० लोगों की कोरोना से मौत हुई, जिसके बाद कुल मौतों का आंकड़ा ५ लाख १४ हजार ०२३ हो गया है। इसके अलावा देश में अभी भी ६२,४७२ सक्रिय मामले मौजूद हैं। यही नहीं, कोविड–१६ से अब तक १६,८६४ लोगों की रिकवरी हुई है। ऐसे में अब इस महामारी से कुल रिकवरी का आंकड़ा ४,२३,२४,५५० हो गया है। कल कोविड–१६ से ११६

लोगों की मौत हुई थी, जिसके बाद मरने वालों की कुल संख्या ५ लाख १३ हजार ८४३ हो गई थी। वहीं, इस दौरान कोविड–१६ से १६,७६५ लोग रिकवर भी हुए थे।

सोमवार को फिलहाल, सोमवार को दैनिक पॉजिटिविटी दर १.११ प्रतिशत दर्ज किया गया था। हालांकि, रविवार के मुकाबले कल दैनिक पॉजिटिविटी दर में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड–१६ रोधी टीकों की १७७.७० करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि देश में सात अगस्त, २०२० को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त, २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर, २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर, २०२० को ५० लाख, २८ सितंबर, २०२० को ६० लाख, ११ अक्टूबर, २०२० को ७० लाख, २६ अक्टूबर, २०२० को ८० लाख और २० नवंबर को ६० लाख के पार चले गए थे। देश में १६ दिसंबर, २०२० को ये मामले एक करोड़ के पार हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ के पार और २३ जून, २०२१ को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

जय बोलो भ्रष्टाचार की

राज्य गठन के बाद से उत्तराखंड में भ्रष्टाचार की अविरल धारा बह रही है। भ्रष्टाचार की गंगा में गोते लगाने वाले नेताओं और अधिकारियों का गठजोड़ इस कदर मजबूत है कि उनका कोई बाल बांका नहीं कर सकता है। नेताओं के लिए राज्य का यह भ्रष्टाचार सिर्फ एक चुनावी मुद्दा रहा है बाकी सब बातों से उनका कोई सरोकार नहीं रहा है। वर्तमान भाजपा सरकार ने 2017 के अपने चुनावी घोषणा पत्र में सरकार बनने पर 100 दिन में लोकायुक्त गठन करने का वायदा किया था लेकिन सरकार अपना पूरा कार्यकाल बीत जाने तक भी लोकायुक्त नहीं ला सकी। पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत जो कभी ढैंचा बीज घोटाले में खुद भी आरोपी रहे हैं, ने जब सत्ता संभाली थी तो शपथ ग्रहण के बाद भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस को अपनी सरकार की प्राथमिकता बताया गया था लेकिन अपने पहले विधानसभा सत्र में लोकायुक्त प्रस्ताव का बिल लाने वाले त्रिवेंद्र सिंह जब ऐसा नहीं कर सके तो वह अपने बचाव में यह कहते दिखे कि जब राज्य में भ्रष्टाचार ही नहीं रहा तो लोकायुक्त की क्या जरूरत है? यह अलग बात है कि वर्तमान में अब वह सीएम नहीं रहे हैं लेकिन सूबे में अभी भी भाजपा की ही सरकार है तथा उनकी पार्टी का ही सीएम है। उन्हें बीते कल एक सचिवालय के समीक्षा अधिकारी की उस गिरफ्तारी पर गौर करने की जरूरत है जिसे 75 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है, क्या यह भ्रष्टाचार नहीं है। खास बात यह है कि इन नेताओं और अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार के मामलों पर कबूतर की तरह आंखें बंद क्यों कर ली जाती है जिसके सामने बिल्ली आकर खड़ी हो जाए, सरकार को अपनी नाक के नीचे होने वाला यह भ्रष्टाचार भी दिखाई नहीं देता है। सिंचाई विभाग का सचिवालय में बैठा एक अनुभाग अधिकारी अनिल पुरोहित अपने समीक्षा अधिकारी कमलेश्वर को आदेश देता है कि जाओ सचिवालय के बाहर जाकर रिश्वत की रकम ले आओ। खास बात यह है कि रिश्वत का सौदा भी यह अधिकारी भ्रष्टाचार के किसी मामले में फंसे इंजीनियर से सचिवालय में ही करते हैं। जैसे सचिवालय, सचिवालय न होकर कोई रिश्वतखोरी का अड्डा हो। रिश्वत भले ही सचिवालय के बाहर ली जा रही थी लेकिन रिश्वत का पैसा लेकर समीक्षा अधिकारी सचिवालय ही जाता और अपने साहब के साथ इसका बंटवारा करता। अभी कोरोना काल में हरिद्वार कुंभ के दौरान फर्जी टेस्टिंग का एक बड़ा घोटाला सामने आया था, रिश्वतखोरी और यह घोटाले अगर किसी नेता या सरकार को दिखाई देते होते तो शायद बीसी खंडूरी के कार्यकाल में ही राज्य में लोकायुक्त का गठन हो गया होता। आज तक राज्य में लोकायुक्त इन नेताओं ने ही नहीं बनने दिया है क्योंकि वह अच्छी तरह जानते हैं कि अगर भ्रष्टाचार पर कुछ सख्त कार्रवाई का जरिया बना तो उनके जेल जाने का रास्ता साफ हो जाएगा। चुनाव में एक-दूसरे की पार्टी के शासनकाल के भ्रष्टाचारों की लिस्ट तैयार करने तक ही यह मामला ठीक है इसे सूबे के अधिकारी व नेता अच्छे से जानते हैं। यही कारण है कि राज्य गठन के 2 दशकों में भ्रष्टाचार की खूब जय जयकार हो रही है।

यूक्रेन-रूसः संतुलन की जरूरत

यूक्रेन और रूस की सेनाओं के बीच जंग शुरू होने के बाद इसके लंबा खिंचने का डर जताया जा रहा है। इस बीच खासतौर पर यूरोप की ओर से भारत पर रूस के प्रति कड़ा रुख अपनाने का दबाव पड़ रहा है। यूरोप में फ्रांस भारत का करीबी सहयोगी है। वह चाहता है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत रूस के प्रति कड़ा रुख अपनाए क्योंकि रूस ने कथित तौर पर संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का उल्लंघन किया है। उसने एक संप्रभु देश पर हमला बोला है। फ्रांस ने कहा है कि यूक्रेन पर रूस के हमले से यूरोप में जो अस्थिरता की स्थिति बनी है, वह भारत के लिए ठीक नहीं होगी। इसी मामले में ईयू के विदेश मामलों के प्रतिनिधि जोसेफ बोरेल ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी फोन किया और दोनों के बीच यूक्रेन में गंभीर स्थिति को लेकर चर्चा हुई। उनके बीच यह भी बातचीत हुई कि भारत किस तरह से इस टकराव को खत्म करने में भूमिका निभा सकता है। हाल ही में जयशंकर फ्रांस की यात्रा पर गए थे। वहां भी उन्होंने एक तरह से रूस का ही पक्ष लिया था। जयशंकर ने कहा था कि रूस के आसपास के देशों में नाटो के विस्तार की चिंता जायज है। उसके बाद भी भारत ने रूस के कदमों की आलोचना नहीं की है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन के बीच गुरुवार को हुई बातचीत भी मायने रखती है। इसमें पूतिन ने प्रधानमंत्री को ताजा स्थिति के बारे में जानकारी दी। इसमें भी प्रधानमंत्री ने पूतिन से तत्काल युद्धविराम करने और बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने की अपील की। असल में इस पूरे मामले में भारत बेहद मुश्किल स्थिति में है। एक तरफ वह अमेरिका के साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए बने क्वाड जैसे संगठन का अहम मेंबर है। यह संगठन चीन की विस्तारवादी नीतियों को रोकने के मकसद से बनाया गया है। वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर चीन ने भारत के खिलाफ इधर आक्रामकता अख्तियार की है। भारत को लगता है कि चीन को रोकने में क्वाड से मदद मिलेगी। दूसरी तरफ रूस उसकी सामरिक तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण सहयोगी है। भारत को 60 फीसदी हथियारों की आपूर्ति रूस से ही होती है। इसलिए वह रूस को भी नाराज नहीं करना चाहता क्योंकि इससे भारत की रक्षा तैयारियों पर बुरा असर पड़ेगा। इसलिए यूक्रेन मामले में भारत के लिए संतुलन बनाए रखना जरूरी है। उसे अमेरिका, फ्रांस और दूसरे यूरोपीय सहयोगियों के साथ रूस की भी जरूरत है। (आरएनएस)

मल्लविद्या के महानायकः दाऊ बद्री प्रसाद अग्रवाल

डॉ. सरिता साहू

देशभक्ति-शरीर सौष्ठव के हिमायती, मित्रों, परिजनों और मेहमान नवाजी के पैरोकार तथा परिवार के सच्चे-ईमानदार मुखिया का फर्ज निभाने वाले रवेली वाले दाऊ के नाम से विख्यात बद्री प्रसाद अग्रवाल छत्तीसगढ़ के लिए अनजाना अनचिन्हा नहीं है। उनका जन्म जून 1922 को रायपुर जिले के अभनपुर तहसील के रवेली गांव में हुआ था। उनके पिता राम सेवक एवं माता रामकली देवी थीं। 'यथा नाम तथा गुण' वाले माता-पिता का संस्कार बालक बद्री प्रसाद पर प्रारंभ से पड़ गया था यही कारण था कि पढ़ाई के दौरान 12 वर्ष की आयु में तब के लारी स्कूल और अब पंडित माधव राव सप्रे विद्यालय में महात्मा गांधी का भाषण सुनने अपने नयापारा रायपुर स्कूल से बस्ता कंधे में लटकाए चले गए। 1933 में महात्मा गांधी का अछूतोद्धार आंदोलन राष्ट्रीय स्तर पर चल रहा था इसी के अंतर्गत वे रायपुर भी आए थे। गांधी जी के भाषण से वे प्रभावित इतने प्रभावित हुए कि सीधे आंदोलन से जुड़ना चाहते थे किंतु पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते वे ऐसा नहीं कर पाए। किंतु जैतू साव मठ रायपुर के माध्यम से उनको राष्ट्रीय चेतना को पल्लवित करने का अवसर मिला। उन्हें मठाधीश महंत लक्ष्मीनारायण दास का मार्गदर्शन और आशीर्वाद मिलता रहा। इसी तरह 1942 में महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन का सूत्रपात किया, जिसका प्रभाव पूरे देश में पड़ा किंतु अंग्रेजी हुकूमत के दबाव में यह आंदोलन धीमा पड़ गया। इसके बाद भी देश प्रेमियों के मन में गुलामी का आक्रोश ठंडा नहीं पड़ा। यही कारण है कि दाऊजी अपने साथियों के साथ नियमित रूप से धरना प्रदर्शन करते और गिरफ्तारियां देते रहते थे। सन 1942 के रायपुर षड्यंत्र केस के प्रमुख नेता परसराम सोनी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संघ के सचिव मोतीलाल त्रिपाठी तथा क्रांतिकारियों के लिए बंदूक बनाने में सहयोगी मंगल मिस्त्री के साथ बने रहे।

कालांतर में 15 अगस्त 1947 भारत पाकिस्तान का विभाजन हुआ। पूरे देश में सांप्रदायिक तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। इससे रायपुर शहर भी अछूता नहीं रहा। हर वक्त दंगा ग्रस्त हो जाने की आशंका बनी रहती थी। विघ्नकारी तत्व हर घटना को सांप्रदायिकता का रंग देने की कोशिश में लगे रहते थे। इस काल में दाऊ बद्री प्रसाद अग्रवाल अपनी शारीरिक क्षमता एवं आदर्शवादिता के लिए रायपुर एवं समीपवर्ती क्षेत्र में विख्यात हो चुके थे। अतः अपने मित्रों के साथ शहर में सांप्रदायिक सौहार्द्र के निर्माण में वे सफल हुए। जहाँ-जहाँ भी सांप्रदायिक दंगा भड़कने की सूचना मिलती वह अपने साथियों के साथ उस स्थल पर पहुंचकर मामला शांत कर देते थे। उनकी यह कामयाबी दिन-ब-दिन सेवा के रूप में आम जनमानस के बीच चर्चित होता गया। इन सब के बीच वे अपनी दिनचर्या को अनुशासित ढंग से संचालित करते रहे। सुबह उठते ही दो-तीन घंटे अखाड़ा स्थल पर कसरत करना, 50 किलोमीटर साइकिल चलाना, रोज 25-30 कि.मी. की दौड़ लगाना, डेढ़ दो मन का पत्थर कंधे में रखकर 10-15 कि.मी. की दौड़ लगाना, उनका यह पत्थर आज भी रावण भांठा के मैदान में रखा है। लाठी चलाने में माहिर बद्री पहलवान मलखम में चढ़ने के बाद उस पर पेट के बल तेजी से गोल-गोल घुमते थे कि लोग उन्हें देखते ही रह जाते थे। सन 1950 से 1970 के दशक में उनकी गिनती मध्य प्रदेश के प्रमुख पहलवानों में होती थी। उस समय उनकी कुश्ती के प्रदर्शन को देखने लोग दूर-दूर से आते थे। वे 'बद्री पहलवान' के रूप में पहचाने जाते थे। वे प्रतिदिन दो दर्जन केले, आधा किलो भीगा चना, एक पाव से अधिक बादाम के दूध, शहद, घी आदि का भी सेवन करते थे।

कहा जाता है 'हेल्दी माइंड लिव्स इन ए हेल्दी बॉडी' यह कहावत दाऊजी पर बिल्कुल फिट बैठता था। अनुशासित जीवन शैली के कारण ही वे अपने परिवार की देखभाल भी सफलतापूर्वक कर सके। बड़े पुत्र डॉ. किशोर सेवानिवृत्त प्राध्यापक, पुत्री मीना प्राध्यापक, डॉ. रीता प्राध्यापक, छोटा पुत्र बलराम एक निजी कंपनी में प्रबंधक हैं। इसी तरह बड़ी बहू डॉ. साधना राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में प्राध्यापक है, छोटी बहू वंदना प्राध्यापक है। सभी दामाद भी अपने-अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक संचालित कर रहे हैं। दाऊजी को जानने वाले बताते हैं कि वे अगर किसी को आर्थिक सहयोग करते थे तो वे कभी मांगने नहीं जाते थे। वे कहते थे कि 'उनकी जरूरत मुझसे अधिक और प्राथमिकता के तौर पर है'। इसके परिपालन में उनकी पत्नी गंगा देवी की महत्वपूर्ण भूमिका होती थी। इस सिद्धांत का पालन उन्होंने जीवनपर्यंत किया। इसी तरह आयु बढ़ने के बाद भी अखाड़ा का शौक कभी कम नहीं हुआ। कई स्पर्धाओं के न केवल वे विजेता रहे बल्कि अपनी प्रतिस्पर्धियों के सम्मानित प्रतियोगी भी रहे। प्रतिद्वंदिता का भाव कभी उनके मन में नहीं रहा। वयोवृद्ध होने के बाद भी हाथ हथौड़े की तरह चलता था। अन्ततोगत्वा कुश्ती को जीवन का अप्रतिम हिस्सा मानने वाले, मल्लविद्या के उपासक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दाऊ बद्री प्रसाद अग्रवाल का 28 अक्टूबर सन् 2012 शरद पूर्णिमा को संध्या 6:00 बजे 90 वर्ष की आयु में देहावसान हो गया। उनके निधन से मल्लविद्या के एक युग का अंत हो गया। कबीर की तरह सधुक्कड़ी जीवन शैली वाले दाऊजी को जानने पहचानने वाले आज भी उनकी स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने का जतन कर रहे हैं।

(लेखिका छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग में सेवारत हैं)

द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया समानं वृक्षं परि षस्वजाते।
तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्त्यनश्नन्नन्यो अभि चाकशीति।।
(ऋग्वेद 1-164-20)

दो सुंदर पंखों वाले पक्षी जो एक दूसरे के परस्पर मित्र हैं। एक वृक्ष पर उनका आश्रय है। एक पक्षी वृक्ष के पके हुए फल खाता है। दूसरा पक्षी फल नहीं खाता है, बस देखता रहता है। फल खाने वाला पक्षी जीवात्मा है। देखने वाला परमात्मा है। कर्मफल ही वृक्ष का फल है। और प्रकृति ही वृक्ष है।

Two beautiful winged birds that are like friends of each other. They take refuse in the same tree. A bird eats the ripe fruit of the tree. The other bird does not eat the fruit, just keeps watching. The fruit-eating bird is the individual soul. The watching-bird is the God. The ripe fruit is Karmafal (result of deeds). And Prakriti is the tree.
(Rig Veda 1-164-20)

जांच को आंच, मुसद्दीलाल निर्दोष

पूरन सरमा

मुसद्दीलाल भ्रष्टाचार में लिप्त था और विभाग उसके खिलाफ जांच कराने पर आमादा था। इसलिए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया। मुसद्दीलाल पर रिश्वत का आरोप था, लेकिन वह मुकर रहा था। कहता, वह रोटी के अलावा और कुछ नहीं खाता। विभाग में लगातार उसके खिलाफ शिकायतें आने पर उसे निलंबित कर दिया गया। समिति सदस्य आते, गप्पें मारते, नाश्ता करते, शाम को घर लौट जाते। तीन माह बाद समिति ने उसके घर, बुलावे का नोटिस भेजा। उसके घर ताला लगा था। चपरासी जाता, वापस लौट आता। एक दिन वह मिल गया। उसने चपरासी को आराम से बिठाया और पचास का नोट देकर कहा, पन्द्रह दिन तक मत आना। चपरासी बोला, यह तो पांच दिन चलेंगे। मुसद्दी ने सौ रुपये देकर कहा, अब ठीक है। चपरासी लौट गया। एक महीने बाद जांच समिति को चपरासी पर संशय हुआ। चपरासी से पूछा, तो उसने मना कर दिया। पड़ोसियों ने कहा, वह दो महीनों से लापता है।

जांच समिति की बैठक में तय हुआ कि समिति का एक सदस्य मुसद्दीलाल के घर जाकर स्थिति का पता करेगा। सदस्य घर गया, तो उसका दरवाजा खुला था, अंदर बैठा मुसद्दी गुलाब जामुन खा रहा था। समिति के सदस्य को देखकर मुसद्दी की बांछें खिल गईं। मैं आपका ही इंतजार कर रहा था। सदस्य बोला, मेरा इंतजार? उसने गुलाब जामुन की प्लेट सदस्य के आगे रखी। सदस्य बिदककर बोला-भ्रष्ट बनाना चाहते हो।

हमारे चपरासी को यही खिलाया होगा। वह बोला, वह तो काला धन लेकर गया। सदस्य बोला, सच-सच बताओ तुमने उसे क्या दिया? घबराइए नहीं, यह कहते हुए उसने सौ-सौ के नोट उसके सामने रखे, लेकिन सदस्य बोला- हम भ्रष्ट बन गए, तो क्या होगा? वह बोला, साहब किसी से कहूंगा नहीं। मैं भी ईमानदार था, तो बच्चे छोटी-छोटी चीजों के मोहताज थे। ईमानदारी में क्या है? कलम ही तो चलानी है आपको। दूसरे सदस्यों को भी संतुष्ट कर दूंगा। सदस्य रिश्वत लेकर चल दिया। ऐसा अन्य सदस्यों के साथ भी हुआ और छह महीने बाद मुसद्दी निर्दोष साबित हो गया। जांच समिति के कार्यालय पर ताला लग गया।

बाइक सवारों ने मोबाइल छीना

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल सवार युवकों ने युवती के हाथ से मोबाइल छीनकर वहां से फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेशविला रोड निवासी प्रीति सकलानी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह भोर का तारा स्कूल की तरफ से अपने घर की तरफ जा रही थी तभी मोटरसाईकिल में सवार दो युवक उसके करीब आये और वह कुछ समझती युवकों ने उसके हाथ पर झपटा मारकर उसको मोबाइल छीन लिया और वहां से फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

यूक्रेन से सभी छात्रों को सुरक्षित वतन वापस लाने की मांग

ऋषिकेश (आरएनएस)। नागरिक कल्याण संगठन ऋषिकेश ने मेडिकल की पढ़ाई के लिए यूक्रेन गए सभी भारतीय छात्रों को सुरक्षित वतन वापस लाने की मांग की है। संगठन ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा है। सोमवार को देहरादून रोड स्थित गोपाल कुटी में आयोजित बैठक में नागरिक कल्याण संगठन ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के दौरान हो रहे नरसंहार पर चिंता जताई। संगठन संयोजक मदन कुमार शर्मा ने कहा कि इस लड़ाई का भयानक अंजाम सामने आ रहा है। निर्दोष नागरिकों के साथ ही संपत्ति को भी काफी नुकसान हो रहा है, इसे मानव हित को देखते हुए रोका जाना आवश्यक है। सरकार से भारत से यूक्रेन में शिक्षा प्राप्त कर रहे सभी क्षेत्रों के छात्रों का जीवन बचाने के साथ उन्हें सुरक्षित स्वदेश लाकर उनके घरों तक पहुंचाए जाने की व्यवस्था की मांग की है। मौके पर राजकुमार अग्रवाल, कमला प्रसाद भट्ट, वेद प्रकाश धींगरा, सतीश शर्मा, रमेशचंद्र शर्मा, डा. बीएन तिवारी, बाली पाल, बृजपाल राणा, सुखबीर पाल आदि मौजूद रहे।

आग से जंगलों को बचाने को वन विभाग ने कमर कसी

ऋषिकेश(आरएनएस)। गर्मी शुरू होते ही जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ सकती हैं। इसको लेकर वन विभाग ने जंगलों को आग बचाने के लिए कमर कस ली है। मुख्य वन संरक्षक वन अग्नि प्रबंधन निशांत वर्मा ने विभिन्न रेंज क्षेत्र में अग्नि प्रबंधन का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। सोमवार को मुख्य वन संरक्षक वन अग्नि प्रबंधन एवं आपदा प्रबंधन उत्तराखंड निशांत वर्मा ने राजाजी टाइगर रिजर्व के देहरादून वन प्रभाग में निरीक्षण किया। उन्होंने वन विभाग द्वारा किए गए प्रबंधन का जायजा लिया। उन्होंने राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क की मोतीचूर, चीला, कांसरो, रामगढ़ रेंज में क्रू स्टेशनों का निरीक्षण किया गया एवं आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। कहा कि प्रदेश में आगामी फायर सीजन के मद्देनजर वन विभाग ने तैयारी कर ली है। क्रू स्टेशन स्थापित कर सेटेलाइट द्वारा अग्नि घटनाओं पर नजर रखी जा रही है। कहा कि अग्नि प्रबंधन एवं आपदा प्रबंधन को अब सीधे सेटेलाइट के माध्यम से जोड़ा गया है। अब वनों में आग लगने की जानकारी कंट्रोल रूम में मिलेगी। मौके पर डीएलएम टिहरी राजेंद्र मोहन नौटियाल, डीएलएम देहरादून अनूप रौतेला आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं को दिया जा रहा स्वरोजगार का प्रशिक्षण

विकासनगर (आरएनएस)। पंजाब नेशनल बैंक आरसेटी की ओर से ब्लॉक क्षेत्र के डोभरी में महिलाओं के लिए दस दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण शिविर शुरू किया गया। शिविर में महिलाओं को पापड़, पिक्कल, मसाला पाउडर बनाने का प्रशिक्षण दिए जाने के साथ ही मार्केटिंग संबंधी जानकारी भी दी जाएगी। पंजाब नेशनल बैंक के प्रशिक्षक जहांगीर आलम ने बताया कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने के साथ ही गांवों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास भी किया जाएगा। बताया कि महिलाओं को अचार, पापड़ बनाने का प्रशिक्षण देने के साथ ही उन्हें पैकेजिंग और बाजार संबंधी जानकारी अगले दस दिनों तक दी जाएगी। इस दौरान क्लस्टर अध्यक्ष कल्पना बिष्ट भी मौजूद रहे।

बंद नालों से करायी पानी निकासी करायी

रुद्रपुर/ सितारगंज(आरएनएस)। नगर की सड़कों में पानी की निकासी कराने के लिए पालिका ने सोमवार को बंद नालों की सफाई करायी। जेसीबी से बंद नालों का कूड़ा निकाला गया। नगर में पालिका की ओर से बंद नालों खोल जल निकासी कराने के लिए अभियान चलाया गया है। पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे ने सिडकुल बाईपास मार्ग में मलबे से पटे बंद नाले को जेसीबी से खुलवाया और जल निकासी कराई। सोमवार की सुबह पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे सफाई कर्मचारियों के साथ एमपी चौक के पास वार्ड संख्या दस में पहुंचे। यहां पिछले कई महीनों से नाला बंद होने की वजह से लोग जलभराव की समस्या झेल रहे थे। पालिकाध्यक्ष दुबे ने बताया कि बंद नाले में मलबा भरा हुआ था। जिसे जेसीबी की मदद सफाई कर्मियों ने खोला और जल निकासी की शुरूआत कराई। आरोप लगाया कि सौंदर्यीकरण के दौरान ठेकेदार की ओर से सारा मलबा नालों में छोड़ दिया गया। नालों का निर्माण करने के बाद उन्हें ढक दिया। इससे नालियों की साफ सफाई नहीं हो पा रही थी और गलियों में पानी भरने लगा था। वार्डवासियों की मांग पर उन्होंने नाले में पटा मलबा निकलवाकर जल निकासी कराई। इससे अब वार्डवासियों को जलभराव की समस्या नहीं झेलनी पड़ेगी। वहां पालिका सभासद रितु गहतोड़ी के पति पंकज गहतोड़ी मौजूद रहे।

श्री सिद्धेश्वर महादेव मन्दिर में धूमधाम से मनाया महाशिवरात्रि पर्व

संवाददाता

देहरादून। श्री सिद्धेश्वर महादेव मन्दिर में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया।

आज यहां श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर केदारपुर, मौथरोवाला मार्ग मे महाशिवरात्रि पर्व की बडी धूमधाम से मनाया जा रहा है। महन्त आनंद गिरि जी महाराज एवं अध्यक्ष एस बी थापा के देखरेख मे सभी कार्यकारिणी सदस्य व सेवाओं के बाइस सदस्यो द्वारा आयोजन को सफल बनाने हेतु अपना योगदान दिया। सुबह 3 बजे से ही भक्तगण बडी संख्या मे दर्शन एवं जलाभिषेक हेतु आ रहे है।

महामारी प्रकोप की गाइडलाइन को ध्यान मे रखते हुये प्रात 3 बजे से जलाभिषेक शुरू किये जाने सम्बन्धित जानकारी देते हुए अध्यक्ष ने सभी का आभार प्रकट करते हुए प्रशासन का धन्यवाद किया एवं गाइडलाइन का अनुसरण करने को कहा मेले मे विशेष आकर्षण कई प्रकार के झूले है। जो कि 02 मार्च 2022 को भी संचालित किया जाएग।

बिजली के उपकरण चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने निवर्निमित भवन से बिजली के उपकरण चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएमएस रोड निवासी अभिनव सुयाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका जीएमएस रोड पर मकान बन रहा है। आज जब वह अपने नवर्निमित भवन में पहुंचा तो उसने देखा कि मकान में लगाने के लिए वह जो भी बिजली के उपकरण व तारें लाया था वह अपने स्थान से गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

क्रीड़ा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को किया सम्मानित

विकासनगर (आरएनएस)। समग्र शिक्षा अभियान के तहत सोमवार को राजकीय इंटर कॉलेज सेलाकुई में दिव्यांग छात्र–छात्राओं के लिए क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के तहत एसजीआरआर इंटर कॉलेज सहसपुर के चार छात्र–छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया। एसजीआरआर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य रविंद्र सैनी ने बताया कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यालय के अर्सलान ने प्रथम, अमन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही आदित्य और साकिर ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चारों प्रतिभागी छात्रों को विद्यालय प्रबंधन की ओर से सम्मानित किया गया।

रूस-यूक्रेन युद्ध से फार्मा सेक्टर को झटका

हरिद्वार (आरएनएस)। रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध से फार्मा सेक्टर को करारा झटका लगा है। कच्चा माल १५ फीसदी महंगा होने के साथ कच्चे माल की सप्लाई भी बाधित हो रही है। अधिकांश कंपनियां दवाओं के रसायन और पैकेजिंग के कच्चे माल के लिए रूस–यूक्रेन समेत सीआइएस (कामनवेल्थ ऑफ इंडिपेंडेंट स्टेट्स) पर निर्भर हैं। युद्ध के चलते बीते १० दिन में एल्युमिनियम फॉइल (पैकेजिंग) के भाव १०० रुपये प्रति किलो से अधिक बढ़ गए है। एल्युमिनियम फॉइल कोरोनाकाल में २६५ रुपये किलो, उसके बाद बढ़कर ३३५ रुपये किलो हुई। सप्ताह भर से युद्ध के दौरान अब ४७० रुपये किलो पहुंच गई है। कच्चे माल के दाम बढ़ने से दवाओं की पैकिंग और दामों पर भी असर देखने को मिलेगा। फार्मा इकाइयां रूस और यूक्रेन से बड़े पैमाने पर दवाओं के कच्चे माल और पैकेजिंग के रूप में विभिन्न रसायन और एल्युमिनियम फॉइल का आयात करती हैं। मौजूदा हालात के चलते कच्चा माल जगह–जगह फंस गया है। युद्ध से पहले ही देश में कच्चे माल को डंप कर दिया गया है।फार्मा कंपनी के संचालक डॉ अनिल शर्मा, विनय श्रीधर और अर्चित विरमानी का कहना है कि कच्चे माल के अलावा पैकेजिंग पर भी इसका विपरीत असर देखने को मिल रहा है। फार्मा संचालकों का कहना है कि तीन माह पहले कार्टन(पैकेजिंग) में २० फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। प्रिन्टेड फॉइल ५०० किलोग्राम से बढ़कर ६०० रुपये किलोग्राम पहुंच गया है। कच्चा माल सेप्टिक जोल, पीवीसी १० फीसदी महंगा हो गया है। इसी तरह अन्य कच्चे सामान पर भी युद्ध का असर पड़ा और वह सब महंगे दरों में मिल रहे हैं। अकेले हरिद्वार जिले में लगभग २०० से अधिक छोटी बड़ी फार्मा इकाइयां हैं। पैरासिटामोल दवा बनाने में प्रयोग में आने वाले कच्चे माल का दाम सप्ताह भर में ५० रुपये किलोग्राम बढ़ गया है। इससे पहले कोरोनाकाल में भी पैरासिटामोल दवा में काम आने वाले कच्चे माल का दाम काफी बढ़ा दिया गया था। रूस और यूक्रेन समेत सीआइएस (कामनवेल्थ आफ इंडिपेंडेंट स्टेट्स) दवाओं के सबसे बड़े खरीदार हैं। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि युद्ध के चलते फार्मा इकाइयों का कितना बड़ा कारोबार प्रभावित हो रहा है। फार्मा कंपनी संचालकों का कहना है कि यदि हालात जल्द सामान्य नहीं हुए तो फार्मा सेक्टर को बड़ा झटका लगेगा। जिससे उबरने में लंबा समय भी लग सकता है।

लापरवाही से होता है जमीनों का फर्जीवाडा!

संवाददाता

देहरादून। जमीनों का फर्जीवाडा आम आदमी की थोडी सी लापरवाही का ही नतीजा होता हैं। अगर लाखों के साथ ही कुछ हजार रूपये खर्च कर जमीन की असलीयत जान लें तो धोखा हो ही नहीं सकता।

राज्य बनने के बाद से प्रदेश की अस्थायी राजधानी में जमीनों के दामों में एकदम से उछाल आया और हजारों की जमीन लाखों की हो गयी और लाखों की जमीन करोडों की। इसके साथ ही बाहरी राज्यों से भी लोगों का यहां आवागमन बडने लगा। जिसके बाद जमीनों की खरीद फरोख्त में तेजी आयी जिसको जहां मिली उसने वहीं जमीन खरीद ली। आलम यह हो गया कि आम आदमी को मकान खरीदना तो दूर की बात है उसको जमीन खरीदने में ही पसीने आने लगे। फिर शुरू हुआ जमीनों के फर्जीवाडे का धंधा। विकासनगर, सहसपुर, भाऊवाला, नया गांव पेलियों से लेकर हरबर्टपुर यह सभी इलाके अधिकांश यहां खेती की भूमि थी । यहां भी जब जमीनों के दामों में उछाल आया तो किसानों ने भी खेती छोडकर प्रोपर्टी डिलिंग शुरू कर दी। हर दूसरे मकान के बाहर जमीन खरीदने व बेचने के बोर्ड लगे दिखायी देने लगे। इन्हीं सभी के बीच में फिर बाहर से आये लटवारलालों ने अपनी घुसपैठ शुरू कर दी। ग्रामीणों से एग्रीमेंट कर एक जमीन को कई–कई लोगों को बेचना शुरू कर दिया। जिसके बाद जनपद के थानों में धोखाधडी के मुकदमों की बाढ सी आ गयी। जिसके देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने एसआईटी का गठन कर जमीनों के मामलों की गहरायी से जांच करनी शुरू की तो पाया कि इस धंधे में तहसील के कर्मचारियों की भी संलप्ति है जिसके बाद कुछ पटवारियों व रजिस्ट्रार कार्यालय के बाबूओं के खिलाफ भी मुकदमें दर्ज किये गये। उसके बाद जमीनों के फर्जीवाडे में कुछ कमी आयी लेकिन यह धंधा पूरी तरह से बंद नही हुआ। अब सोचने वाली बात है कि जब इतना बडा अमला तहसील व रजिस्ट्रार कार्यालय में है और वहां ऐसा नहीं कि सभी भ्रष्ट हों। अगर आम आदमी कच्चे लालच में ना आकर लाखों रूपये जमीन के नाम पर देने से पहले कुछ हजार रूपये किसी अधिवक्ता को देकर उसकी जानकारी मंगा ले तो सारी पिक्चर साफ हो जाती है तथा जमीन के बारे में सारा खुलासा हो जाता है कि जमीन किसकी है और इसको कौन बेच रहा है। लेकिन आम आदमी ठगों को तो लाखों रूपये दे देता है लेकिन कुछ हजार रूपये अधिवक्ता को देकर जमीन का 12 साला निकलवाकर उसकी जांच कराना मुनासिब नहीं समझता तो फिर फर्जीवाडा होना ही है।

घूमर में क्रिकेटर बनेंगी सैयामी खेर

जब से आर बाल्की की फिल्म घूमर का ऐलान हुआ है, फिल्म को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। अभिषेक बच्चन ने हाल में अपने जन्मदिन के अवसर पर फिल्म की घोषणा की थी। फिल्म में अभिषेक के पिता और अभिनेता अमिताभ बच्चन की भी एंट्री हो गई है। अब जानकारी सामने आ रही है कि अभिनेत्री सैयामी खेर फिल्म में क्रिकेटर का किरदार निभाती हुई दिखेंगी। वहीं, अभिषेक उनके कोच का रोल करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, घूमर में सैयामी एक क्रिकेटर की भूमिका निभाएंगी, जबकि उनके कोच के किरदार में अभिषेक दिखेंगे। खबरों की मानें तो यह फिल्म क्रिकेट की पृष्ठभूमि पर आधारित है। अभिषेक और सैयामी दोनों में खेल के प्रति रुचि है। सैयामी ने तो महाराष्ट्र के लिए स्कूल लेवल पर क्रिकेट खेला है। अभिनेत्री ने राष्ट्रीय टीम में भी जगह बनाई थी, लेकिन उन्होंने इसके बजाय बैडमिंटन स्टेट चैंपियनशिप का विकल्प चुना।

बॉलीवुड में आने से पहले अभिनेत्री सैयामी महाराष्ट्र के लिए बैडमिंटन और क्रिकेट खेल चुकी हैं। इस लिहाज से उनके लिए यह किरदार बिल्कुल मुफीद होगा। दूसरी तरफ अभिषेक भी फुटबॉल के बड़े प्रशंसक रहे हैं। वह अपने पिता अमिताभ की तरह क्रिकेट में रुचि लेते हैं। अभिषेक एएसएफसी (ऑल स्टार्स फुटबॉल क्लब) के लिए फुटबॉल खेल चुके हैं। अपनी कबड्डी टीम के लिए उनका अपार जुनून भी जगजाहिर है।

सैयामी इससे पहले अभिषेक के साथ वेब सीरीज ब्रीद: इनटू द शैडो में काम कर चुकी हैं। वह दूसरी बार अभिषेक के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। शबाना आजमी भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्हें हाल में मुंबई में बाल्की के ऑफिस के बाहर स्पॉट किया गया था। कोरोना महामारी के कारण इस प्रोजेक्ट की शूटिंग में देरी हुई। हालांकि, अब मेकर्स ने मुंबई के एक दूर-दराज इलाके में शूटिंग शुरू कर दी है। सैयामी के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनके खाते में कई प्रोजेक्ट्स हैं। वह ताहिरा कश्यप की आने वाली फिल्म शर्माजी की बेटी का हिस्सा हैं। यह फिल्म आज के दौर की एक आधुनिक मध्यमवर्गीय महिला के अनुभव पर आधारित है। वह अश्विनी अय्यर तिवारी की फाडू में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाली हैं। इसके अलावा वह ब्रीद: इनटू द शैडो के आगामी सीजन में भी नजर आ सकती हैं।

अभिषेक पिछली बार बॉब बिस्वास में नजर आए थे। वह निर्देशक तुषार जलोटा की सोशल कॉमेडी फिल्म दसवीं में दिखने वाले हैं। इस फिल्म के निर्माता दिनेश विजान हैं। तमिल फिल्म ओह माई कदवुले की हिन्दी रीमेक में भी अभिषेक अहम भूमिका निभा रहे हैं। क्रिकेट पर आधारित स्पोर्ट्स ड्रामा 83 हाल में दर्शकों के बीच आई है। शाहिद कपूर की जर्सी भी एक क्रिकेट पर आधारित फिल्म है। फिल्म में शाहिद अपने बेटे की इच्छा पूरी करने के लिए उम्र के तीसवें पड़ाव में वापसी करने और भारत के लिए खेलने का फैसला करते हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार खिलाड़ी झूलन गोस्वामी की बायोपिक भी चर्चा में है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली की बायोपिक भी जल्द आ सकती है। (आरएनएस)

अमिताभ के साथ 400 करोड़ी फिल्म में नजर आएंगे प्रभास

उम्र के 80वें पडाव पर पहुँचने वाले अभिनेता अमिताभ बच्चन आज भी बॉलीवुड में बेहद सक्रिय हैं। उन्हें लेकर कहानियों का ताना बाना बुना जा रहा है। अमिताभ बच्चन दक्षिण भारतीय फिल्मों में सक्रिय हो गए हैं। पिछले दो साल के दौरान वे वहाँ की निर्मित फिल्मों में विशेष भूमिकाओं में नजर आ चुके हैं। इन दिनों अमिताभ बच्चन बाहुबली फेम प्रभास के साथ एक फिल्म की शूटिंग में कर रहे हैं। इस बात की जानकारी खुद अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया के जरिए दी है। कुछ दिनों पहले ही शूटिंग के बाद अमिताभ बच्चन और प्रभास दोनों ने सोशल मीडिय पर एक-दूसरे की जमकर तारीफ की। दोनों के सोशल मीडिया पोस्ट जमकर वायरल हो रहे हैं। उन्होंने एक ट्वीट किया जिसमें उन्होंने प्रभास की जमकर तारीफ की है। उन्होंने लिखा, 'पहला दिन, पहला शॉट, 'बाहुबली' प्रभास के साथ पहली फिल्म और उनकी कंपनी के औरा में होने यह एक सम्मान है,उनकी प्रतिभा और उनकी अत्यधिक विनम्रता .. सीखने के लिए आत्मसात.. !! गौरतलब है कि प्रभास ने इंस्टाग्राम पर अमिताभ की एक पुरानी फोटो के साथ एक पोस्ट शेयर किया था। जिसमें उन्होंने लिखा- 'ये मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। लेजेंडरी अमिताभ बच्चन सर के साथ आज 'प्रोजेक्ट के' का पहला शॉट पूरा किया! प्रोजेक्ट के फिल्म की घोषणा पिछले साल की गई थी। ये एक साइंस फिक्शन फिल्म है। इस फिल्म को भारत में बनने वाली सबसे महंगी फिल्मों में से एक बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म को बहुत बड़े बजट लगभग 400 करोड़ की लागत में बनाया जाएगा। जैसा कि आपको पता होगा कि इस फिल्म के पहले चरण की शूटिंग पिछले साल दिसंबर में हैदराबाद में हुई थी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और प्रभास के साथ एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी लीड रोल में हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

याद्दाश्त बढ़ाने के साथ कम करता है वजन बैंगन

बैंगन शब्द को सुनते ही कुछ लोगों का मुँह कड़वाहट से भर जाता है। उन्हें इस शब्द को सुनते ही कैसलेपन की बू आने लगती है। सब्जियों में शामिल बैंगन खाया तो जाता है लेकिन बहुतायत में इसका प्रयोग नहीं होता है। जो लोग इसे एक-दो बार खा लेते हैं वे इसके फायदों को देखते हुए इसके दीवाने हो जाते हैं। हालांकि कुछ लोग बैंगन को बे-गुण कहते हैं। कुछ लोग इसे खाना पसंद नहीं करते। हर मौसम की एक खासियत होती है। इस खासियत को और भी बढ़ा देती हैं उस मौसम में आने वाली सब्जियाँ और फल। कहते हैं मौसमी फल और सब्जियों का सेवन जरूर करना चाहिए। इनसे सेहत को कई लाभ होते हैं। इनमें वजन कम करने से लेकर शरीर में पानी के स्तर को बनाए रखने तक कई फायदे छिपे होते हैं। मौसमी सब्जियों में एक तरफ जहाँ इन दिनों कडक़ी शामिल हुई है वहीं दूसरी ओर बैंगन भी बहुतायत से मण्डियों में उपलब्ध है। आपको यकीन हो या ना हो बैंगन भी ऐसी ही एक सब्जी है जो पोषक तत्वों और ढेर सारे फायदों से भरपूर होती है। आइए डालते हैं एक नजर बैंगन को खाने से होने वाले फायदों पर-

बैंगन में भरपूर मात्रा में पोषक तत्त्वों का मिश्रण होता है। बैंगन में अच्छी सेहत के लिए जरूरी एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन्स पर्याप्त मात्रा में मौजूद होते हैं।

सूजन, जलन, गठिया, गैस जैसी समस्याओं में भी बैंगन काफी लाभदायक साबित होता है। इसमें पोटेशियम व मैग्नीशियम की अधिकता होती है, जिसकी वजह से बैंगन का सेवन कोलेस्ट्रॉल कम करने में भी मदद करता है।

बैंगन में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है और कैलोरी भी कम होती है। यही वजह है कि वजन कम करने के दौरान अपनी डाइट में आप बैंगन को बेझिझक शामिल कर सकते हैं।

बैंगन में फाइटोन्यूट्रीएंट्स नामक पोषक तत्त्व होता है जो मानव मस्तिष्क में मेमोरी फंक्शन को बेहतर बनाने का काम करता है। इसके सेवन से एक तरफ जहाँ मनुष्य की याद्दाश्त में वृद्धि होती है वहीं दूसरी ओर बैंगन ब्रेन ट्यूमर के खतरे से बचाने में भी अहम भूमिका निभाता है।

हाल ही में बैंगन पर हुए एक शोध से इस बात की जानकारी प्राप्त हुई कि बैंगन जितने ही फायदों से भरपूर होते हैं बैंगन के पत्ते। इसके पत्ते किडनी के लिए डिटॉक्सिफायर का काम करते हैं। 5 से 6 पत्तों को उबाल कर उसका पानी छानकर दिन में एक-दो घूंट पीने से किडनी की समस्या में आराम मिलता है।(आरएनएस)

जींस से महसूस होती है परेशानी, ये विकल्प बनाएंगे आपको स्टाइलिश

महिलाएं हो या पुरुष सभी अपने पहनावे में जींस को शामिल करते हैं। माना जाता है कि महिलाओं के पास पहनावे में कई ऑप्शन उपलब्ध होते हैं लेकिन उनके मुकाबले पुरुषों के पास कम ही विकल्प होते हैं। अधिकतर पुरुष जींस ही पहनना पसंद करते हैं। लेकिन जैसा कि गर्मियों की शुरूआत हो चुकी है तो लोग आरामदायक कपडे पहनना पसंद करते हैं और जींस से दूरी बनाते हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए जींस की जगह पहने जाने वाले कुछ विकल्प लेकर आए हैं जो पुरुषों को स्टाइलिश बनाने का काम करेंगे। गर्मियों में पैंट्स के ऐसे कई विकल्प हैं जो मौसम और फैशन, दोनों लिहाज से आपको पसंद आएंगे। आइए डालते हैं एक नजर उन कपड़ों पर जिन्हें आप जींस के स्थान पर पहन सकते हैं और आरामदायक महसूस कर सकते हैं-

कार्गो पैंट्स

कार्गो पैंट्स इस सीजन में पहन सकते हैं। आपके कैजुअल लुक को और भी स्मार्ट व कूल बनाने के लिए कार्गो पैंट्स परफेक्ट हैं। किसी भी लाइट शेड के कार्गो को आप अपनी टी-शर्ट के साथ ट्राई करें, यकीनन आप भीड़ से अलग ही लगेंगे।

प्लेन पैंट्स

फॉर्मल का सबसे क्लासिक ऑप्शन है प्लेन पैंट्स। चाहे मोनोक्रोम हो या फिर प्लेटेड पैंट्स ऑफिस वेयर के लिए इससे बेहतर क्या विकल्प हो सकता है।

रिंकल फ्री पैंट्स

आजकल रिंकल फ्री पैंट्स का चलन है। ये दिखने में जितने कूल हैं पहनने में उतने ही आरामदायक, साथ ही प्रेस का झंझट भी नहीं। हाफ स्लीव्स शर्ट और रिंकल फ्री पैंट का कांबिनेशन इस सीजन में आपको बेहद कूल लुक देगा।

केप्री

वीकेंड पर आउटिंग का प्रोग्राम है तो शॉर्ट और केप्री से अच्छा क्या ऑप्शन हो सकता है। गर्मियों में इससे कूल क्या होगा।

शब्द सामर्थ्य -139

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

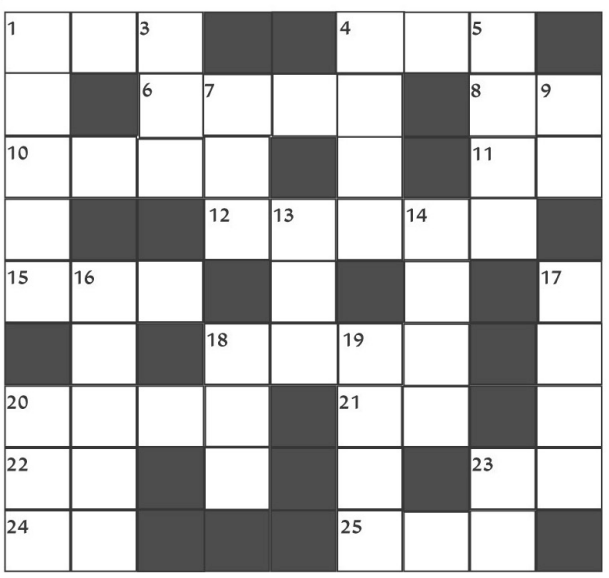

शब्द सामर्थ्य क्रमांक138 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

थलाइवार 169 में ऐश्वर्या की एंट्री, रजनीकांत के साथ फिर बन सकती है जोड़ी

ऐश्वर्या राय बच्चन और रजनीकांत की जोड़ी आपने बड़े पर्दे पर देखी ही होगी और अगर नहीं देखी तो एक बार फिर यह जोड़ी आपको सिल्वर स्क्रीन पर दिखाई दे सकती है। दरअसल, चर्चा है कि रजनीकांत अपनी अगली बहुचर्चित फिल्म थलाइवार 169 में ऐश्वर्या के साथ रोमांस करते नजर आ सकते हैं। यह वही फिल्म है, जिसकी घोषणा पिछले हफ्ते हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, साउथ के भगवान कहे जाने वाले रजनीकांत की अगली फिल्म थलाइवार 169 में ऐशवर्या लीड हीरोइन की भूमिका निभा सकती हैं। कहा जा रहा है कि निर्माता रजनीकांत के साथ ऐश्वर्या को लेने के पूरे मूड में हैं। उन्हें उम्मीद है कि फिल्म की कहानी के हिसाब से रजनीकांत और ऐश्वर्या की जोड़ी बिल्कुल फिट बैठेगी। हालांकि, अभी इस खबर की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है।

बीती 1० फरवरी को निर्माताओं ने एक वीडियो रिलीज कर इस प्रोजेक्ट की जानकारी दी थी। वीडियो में रजनीकांत और नेल्सन दिलीप कुमार के साथ म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर भी नजर आए। अनिरुद्ध फिल्म के गाने कंपोज कर रहे हैं और नेल्सन फिल्म के निर्देशक हैं, जिन्हें बीस्ट और डॉक्टर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए जाना जाता हैं। इस फिल्म को सन पिक्चर्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह सुपरस्टार रजनीकांत के करियर की 169वीं फिल्म है।

रजनीकांत आखिरी बार फिल्म अन्नाथे में नजर आए थे। यह पिछले साल दिवाली पर रिलीज हुई थी। इसमें रजनीकांत के साथ नयनतारा और कीर्थि सुरेश भी मुख्य भूमिका में थीं। उनकी इस फिल्म को भी सन पिक्चर्स के बैनर तले बनाया गया था।

इससे पहले रजनीकांत और ऐश्वर्या की जोड़ी फिल्म रोबोट में दिखाई दी थी। यह फिल्म 2०1० में रिलीज हुई थी। फिल्म में ऐश्वर्या और रजनीकांत की जोड़ी को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। उस समय ऐश्वर्या बॉलीवुड में कमबैक का मौका तलाश रही थीं। जब उन्हें रजनीकांत की फिल्म का ऑफर मिला तो उन्होंने इसे स्वीकार करने में देर नहीं लगाई। अगर थलाइवार 169 में ऐश्वर्या नजर आती हैं तो वह 12 साल बाद रजनीकांत के साथ फिर दिखाई देंगी।

ऐश्वर्या जल्द ही मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियन सेल्वन में दिखेंगी। यह फिल्म अगले साल दो भागों में रिलीज होगी। ऐश्वर्या इसमें नंदिनि और उनकी मां मंधाकिनी यानी डबल रोल में नजर आएंगी। यह 1995 में आई कल्कि कृष्णमूर्ति के उपन्यास पोन्नियन सेल्वन पर आधारित है। इसके अलावा वह इंटरनेशनल फिल्म द लेटर में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। यह रवींद्रनाथ टैगोर की किताब श्री वूमेन पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन फ्यूजन सिंगर और थिएटर राइटर निर्देशक इशिता गांगुली करेंगी। (आरएनएस)

तान्या होप को खुशी है कि उनकी तमिल फिल्म 'थाडम' का हिंदी में रीमेक बन रहा है

अभिनेत्री तान्या होप ने अरुण विजय और विद्या प्रदीप के साथ मजीज थिरुमेनी की तमिल फिल्म 'थाडम' में मुख्य भूमिका निभाई है। अब जबकि फिल्म को आदित्य रॉय कपूर और मृणाल ठाकुर के साथ हिंदी में बनाया जा रहा है, तान्या इससे खुश हैं।

मुझे लगता है कि 'थाडम' दर्शकों के रूप में देखी गई सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में से एक थी। इसलिए, मुझे खुशी है कि इसे दोबारा बनाया जा रहा है। यह एक ऐसी दिमागी दबदबा वाली कहानी है। मुझे बहुत खुशी है कि मैं मूल का हिस्सा था फिल्म, वह कहती हैं। तान्या ने साझा किया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। वह प्रवाह के साथ चली गई।

मैंने सिर्फ अपने निर्देशक मागीज़ थिरुमेनी पर भरोसा किया। मुझे फिल्म के बारे में बहुत अच्छा लग रहा था और वह इतने भरोसेमंद पेशेवर हैं कि मैं कहानी सुने बिना फिल्म करने के लिए बोर्ड पर आया। जब आप उन लोगों पर भरोसा करते हैं जिनके साथ आप काम कर रहे हैं तो आप कभी नहीं जहाज पर आने के बारे में अनिश्चित महसूस करें, उसने आगे कहा।

अभिनेता रीमेक के साथ ठीक है। कुछ शानदार कहानियां बन रही हैं और मुझे खुशी है कि वे अलग-अलग भाषाओं में बनाई जा रही हैं और बड़े दर्शकों तक पहुंच रही हैं। मैंने तमिल में भी एक बॉलीवुड फिल्म का रीमेक किया है। यह 'विक्की डोनर' की रीमेक थी।' , जिसे 'धरला प्रभु' कहा जाता था। उस फिल्म ने भी काफी अच्छा किया। मैंने वह भूमिका निभाई जो यामी गौतम ने मूल में निभाई थी। इसलिए, अगर फिल्म अच्छी है, तो एक्सपोजर का विस्तार करने के लिए इसे रीमेक क्यों न करें, वह कहती हैं।

तान्या, जिन्होंने 2०16 में तेलुगु फिल्म 'अप्पट्लो ओकादुंडेवडु' से डेब्यू किया था, बॉलीवुड में काम करने की इच्छुक थीं। वह अपने डेब्यू का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं, लेकिन चीजें अभी तक ठीक नहीं हुई हैं। लेकिन, अभिनेता उम्मीद नहीं खो रहे हैं।

मेरा मानना है कि सब कुछ अपने समय में होता है। जब तक मैं जीवित हूं मैं अभिनय करता रहूंगा। यह वह व्यवसाय है जो मेरे लिए महत्वपूर्ण है और जितना अधिक काम मैं विभिन्न भाषाओं में करता हूं, उतना ही खुश हूं। मेरे दर्शक जितने बड़े हैं, मैं जितनी खुश हूं। मेरा बॉलीवुड डेब्यू तब होगा, जब समय सही होगा, वह समाप्त होती है। (आरएनएस)

फिल्म की रिलीज के बाद और भी ज्यादा सुर्खियों में छाई गंगूबाई

समाज से अपने हक की लड़ाई करने वाली एक औरत, जिसने अपनी जिंदगी में कई उतार चढ़ाव का सामना किया, क्या कुछ नहीं सहा. लेकिन अभी हार नहीं मानी. ऐसी ही थी गंगूबाई... गंगूबाई काठियावाड़ी.

उसका नाम गंगा जगजीवनदास काठियावाड़ था. रमणीक नाम के लड़के से बहुत प्यार करती थी. पिक्चर में हीरोइन बनने के सपने भी सजाया करती थी. रमणीक ने मुंबई ले जाकर हीरोइन बनाने का सपना दिखाकर उसे 1००० रुपए में एक कोठे पर बेच कर आ गया था. कुछ दिन अंधेरे कमरे में भूखी-प्यासी रहने के उपरांत उसे बाहर आना ही पड़ा. धंधे पर बैठने के उपरांत उसके पहले कस्टमर ने उसे नाम दिया गंगू! और वहीं गंगा ने गंगू बन अपनी पुरानी जिंदगी को पूरी तरह से अलविदा बोल दिया. जिंदगी में जैसे-जैसे आगे बढ़ती गई अलग-अलग तरह के लोग भी आए, प्यार मिला और बाद में सम्मान भी. उसने अपने रेड लाइट एरिया की 4००० औरतों और उनके बच्चों के लिए जिंदगीभर लड़ाई लड़ी और जीती भी. बस इतनी सी है गंगूबाई काठियावाड़ी की स्टोरी है.

आलिया भट्ट को कभी ये रोल में आपने भी नहीं देखा होगा. और अगर बोला जाए कि ये उनका बेस्ट रोल था तो गलत बात बिलकुल भी नहीं होगी. आलिया ने मूवी राजी में भी बढ़िया अभिनय निभाया था, लेकिन गंगूबाई के रोल में कई चैलेंज थे जिनपर वह खरी उतरी हैं. भोली-भाली और क्यूट-सी आलिया भट्ट का गंगूबाई के किरदार में ढलना देखने लायक है. उनकी आवाज में जो दम है और उनका रौब हर किसी का दिल जीत रहा है. आलिया ने गंगूबाई की चाल-ढाल से लेकर उनकी सोच को भी पर्दे पर खूबसूरती से दर्शाया गया है. इसके साथ ही आलिया के डायलॉग जबरदस्त हैं.

मूवीज के डायलॉग्स लिखने वाले प्रकाश कपाड़िया और उत्कर्षिनी वशिष्ठ की दाद देनी तो बनती है. उन्होंने मूवी के लिए बहुत पावरफुल और हार्ड हीटिंग डायलॉग्स को भी लिखा था. आलिया की कही बातें आपको हंसाती भी हैं और उनका असर भी आपके ऊपर जोरदार होता है. गंगूबाई काठियावाड़ी के रोल में यदि आलिया भट्ट चमकी हैं तो रहीम लाला के रोल में अजय देवगन ने भी कमाल किया है. अजय अपने वन्स अपॉन अ टाइम इन मुंबई वाले जोन में हैं. अपने रोल को उन्होंने बहुत अच्छे से कमांड भी दिया था. शांतनु माहेश्वरी का बॉलीवुड डेब्यू बहुत बढ़िया रहा. आलिया से आंखों-आंखों रोमांस करने की उनकी अदा और क्यूट अंदाज काफी प्यारा लगा है.(आरएनएस)

प्रभास के राजा डीलक्स में महनीन कौर पीरजादा आ सकती है नजर!

प्रभास की फिल्म राधे श्याम का काफी समय से इंतजार किया जा रहा है। लेकिन इस बीच उनकी और भी खबरों पर अपडेट्स आना चालू हो गई हैं। प्रभास अब एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म राजा डीलक्स में नजर आएंगे।

लेटेस्ट अपडेट की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में महरीन कौर पीरजादा नजर आ सकती हैं। हालांकि मेकर्स और पीरजादा के बीच शुरुआती दौर की बातचीत चल रही है। अगर बात बन जाती है तो प्रभास महरीन के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। ये भी कहा जा रहा है कि प्रभास फिल्म में एक नहीं बल्कि तीन हीरोइनों के साथ रोमांस करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक जल्द ही फिल्म की स्टारकास्ट तय कर ली जाएगी और मेकर्स फिल्म का ऑफिशियल ऐलान करेंगे। बात करें महरीन की तो वो मांची रोजुलोचाई नाम की फिल्म में नजर आई थीं। इसके अलावा अभी वो एफ3 नाम की एक कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगी।

वहीं प्रभास के खाते में इस वक्त कई बड़ी फिल्में हैं। वो आदिपुरुष में दिखाई देंगे जिसमें उनके साथ सैफ अली खान और कृति सेनन होंगी। इसके अलावा उनकी फिल्म सालार भी लाइन मे है जिसका फैंस बेसब्री से् इंतजार कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही उनकी फिल्म स्प्रिट (स्थ्द्वह्द्धह्) का भी ऐलान हुआ था। अब प्रभास को राजा डीलक्स में कॉमेडी में देखना काफी दिलचस्प होगा। जबकि करीब एक दशक बाद राधे श्याम में प्रभास रोमांटिक अंदाज में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ पूजा हेगड़े लीड रोल मे हैं। ये फिल्म 11 मार्च 2०22 को रिलीज होगी।

दृश्यम 2 में अजय देवगन और तब्बू के साथ दिखेंगे अक्षय खन्ना, रोमांचक होगा मुकाबला

अजय देवगन की 2०15 में आई हिन्दी फिल्म दृश्यम ने गजब का रोमांच पैदा किया था। समीक्षकों के साथ-साथ दर्शकों ने भी इस फिल्म को सराहा था। यह 2०13 में रिलीज हुई मलयालम फिल्म की हिन्दी रीमेक थी। अब काफी समय से दृश्यम 2 को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। इसमें अजय देवगन और तब्बू फिर नजर आएंगे। अब खबर है कि दृश्यम 2 में अभिनेता अक्षय खन्ना की एंट्री हो गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, दृश्यम 2 में अजय और तब्बू के साथ अभिनेता अक्षय भी नजर आएंगे। खबरों की मानें तो कहानी के आगे बढ़ने के साथ ही अक्षय के कैरेक्टर की एंट्री होगी। एक सूत्र ने कहा, ड्रामा, साजिश और एक्शन के अलावा अभिषेक पाठक और दृश्यम 2 के लेखकों ने एक नया कैरेक्टर (अक्षय द्वारा अभिनीत) खोज निकाला है, जो दृश्यम में नहीं है। अभिषेक दृश्यम 2 के निर्देशन की कमान संभालेंगे।

खबरों की मानें तो अक्षय एक पुलिस वाले की भूमिका में दिखेंगे। उन्हें तब्बू का करीबी सहयोगी के रूप में देखा जाएगा, जो जांच में उनकी सहायता करते हैं। कहा जाता है कि अक्षय का कैरेक्टर एक सख्त, स्मार्ट, समझदार और तेजतर्रार पुलिस वाले की है। वह अजय पर अपना शिकंजा कसने की कोशिश करते हुए नजर आएंगे। ऐसे में अजय और अक्षय के बीच का टकराव देखना रोचक होगा।

हर कोई जानता है कि अक्षय अपनी भूमिकाओं को लेकर काफी गंभीर रहते हैं। जब अभिषेक ने उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट सुनाई, तो उन्हें यह पसंद आई। वह एक सहायक भूमिका नहीं, बल्कि दमदार रोल में नजर आएंगे। फिल्म में एक बार फिर अजय, विजय सलगांवकर के किरदार में होंगे और साथ में श्रिया सरन व इशिता दत्ता नजर आएंगी। अजय ने तो फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग भी पूरी कर ली है।

यह अजय और अक्षय की एक साथ चौथी फिल्म होगी। दोनों कलाकार 12 साल बाद किसी फिल्म में एक साथ दिखाई देंगे। उनकी आखिरी फिल्म आक्रोश (2०1०) थी। अनीस बज्मी की दीवानगी और जेपी दत्ता की एलओसी में दोनों एक साथ दिखे थे।

फिल्म में एक ऐसे चौथी पास शख्स की कहानी को दिखाया गया है, जो केबल ऑपरेटर के तौर पर काम करता है। उसके परिवार में पत्नी और दो बेटियां है। एक दिन उनकी लाइफ में एक लड़का आता है, जो उनकी बेटी का एमएमएस बनाकर उसे ब्लैकमेल करने लगता है। वह शख्स कोई और नहीं बल्कि पुलिस अधिकारी तब्बू का बेटा है। फिल्म की कहानी और इसके किरदार आपको अंत तक बांधे रखने में सफल रहते हैं। दृश्यम 2 की कहानी दृश्यम की कहानी से छह साल आगे है। दृश्यम 2 में जॉर्जकुट्टी का परिवार एक बेहतर जीवन व्यतीत करता है। अजय इसमें एक खुशहाल बिजनेसमैन के किरदार में दिखेंगे। कहानी में मोड़ तब आता है, जब पुराने केस में यह परिवार फंस जाता है। जीतू जोसेफ के निर्देशन में बनी मलयालम फिल्म दृश्यम और दृश्यम 2 में मोहनलाल लीड रोल में थे। पिछले साल ही मलयालम फिल्म दृश्यम 2 दर्शकों के बीच आई है।

ऑटो विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर

महेंद्र नाथ पाण्डेय

ऑटो उद्योग: उन्नत, नई और स्वच्छ तकनीक की ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में बीजेपी गठबंधन सरकार भारत के विनिर्माण क्षेत्र को दुनिया का सबसे अधिक मांग वाला क्षेत्र बनाने के प्रयास कर रही है। सरकार ने इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए एक समग्र और एकीकृत योजना तैयार की है जिसमें अनुपालन को कम करना, कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देना, लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने के लिए बहु-मॉडल लॉजिस्टिक्स ढांचे का निर्माण करना और इन सबसे बढ़कर उत्पादन-सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीमों के माध्यम से विनिर्माण को बढ़ावा देना शामिल हैं। इन पीएलआई योजनाओं का उद्देश्य महंगे उत्पादों के लिए उद्योगों को क्षतिपूर्ति करना हैं क्योंकि उत्पादों का महंगा होना इस उद्योग के बड़े पैमाने पर विस्तार में सबसे बड़ी बाधा है।

हमारा ऑटो उद्योग पीएलआई स्कीम के लिए चिह्नित प्रमुख क्षेत्रों में से एक है जो विनिर्माण की रीढ़ है और जिसे अक्सर सनराइज सेक्टर तथा चैंपियन सेक्टर भी कहा जाता है क्योंकि इसमें बैकवार्ड और फारवार्ड लिंकेज काफी गहरे होते हैं। ऑटोमोटिव क्षेत्र का कामकाज मूलत: भारी उद्योग मंत्रालय देखता है, इसलिए हमने इस क्षेत्र के लिए ऐसी नीतियां और योजनाएं बनाई हैं जिनसे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिले और भारत विश्व में ऑटो निर्माण में अग्रणी बन सके।

हमने इस उद्योग की मुख्य समस्याओं को समझने के लिए सभी संबंधित पक्षों के साथ व्यापक परामर्श किया और फिर ऐसी नीतियां तैयार कीं जिनसे भारत उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी उत्पादों, उन्नत रसायन सेल और पर्यावरण की दृष्टि से स्वच्छ वाहनों के उत्पादन में अग्रणी बन सके।

पीएलआई स्कीम के तहत ऑटो सेक्टर के लिए 25,938 करोड़ रूपए, उन्नत रसायन सेल के लिए 18,1०० करोड़ रूपए और हाइब्रिड तथा इलेक्ट्रिक वाहनों का तीव्र अंगीकरण और विनिर्माण यानी फेम स्कीम के लिए 1०,००० करोड़ रूपए यानी कुल मिलाकर लगभग 54,००० करोड़ रूपए निर्धारित किए गए हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य ऑटो उद्योग में लागत अधिकता पर काबू पाना और इस उद्योग को इन क्षेत्रों में अग्रणी बन सकने योग्य बनाना है। इन योजनाओं के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स (ऑटो इलेक्ट्रॉनिक्स सहित) और सेमीकंडक्टर के लिए प्रोत्साहन स्कीमों के जुड़ जाने से ऑटो उद्योग को और अधिक फायदा होगा और भारतीय तथा विदेशी बाजारों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए ऑटोमोटिव उत्पादों की आपूर्त- श्रृंखला मज़बूत हो सकेगी।

ये योजनाएं देश को पारंपरिक जीवाश्म ईंधन-आधारित ऑटोमोबिल परिवहन प्रणाली की तुलना में पर्यावरण की दृष्टि से स्वच्छ, टिकाऊ, उन्नत और अधिक कुशल इलेक्ट्रिक वाहन को अपनाने के लिए प्रेरित करेंगी क्योंकि जहां एक तरफ इलेक्ट्रिक वाहन के खरीदारों को फेम योजना के माध्यम से प्रोत्साहन दिया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ पीएलआई स्कीम के माध्यम से ऑटो सेक्टर और उन्नत रसायन सेल के लिए आपूर्ति पक्ष को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

ऑटो पीएलआई स्कीम शुरू करने से पहले, उद्योग जगत के साथ शुरुआती परामर्श से हमें यह समझने में काफी मदद मिली कि आंतरिक अक्षमता, प्रौद्योगिकीय कमी, स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं के अभाव और बड़े पैमाने की अर्थव्यवस्था के कारण उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकियों के उत्पादन की लागत 15त्न बढ़ जाती है। इसलिए, मंत्रालय ने ऐसी योजना बनाई है जिससे पात्र कंपनियां 18 प्रतिशत तक प्रोत्साहन प्राप्त कर सकती हैं ।

इस नीति को लागू करने के बाद मैंने केंद्र सरकार, राज्य सरकारों के अधिकारियों, नीति आयोग और ऑटो क्षेत्र के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ गोवा में एक सत्र का आयोजन किया था। सत्र के दौरान उद्योग से प्राप्त प्रशंसा और सराहना असाधारण रूप से उत्साहजनक थी जिससे हमें विश्वास हुआ कि हम अपने वादों को पूरा करने में कामयाब हुए हैं और ऑटो उद्योग इस नीति से बहुत लाभान्वित होगा। इस योजना के तहत रिकॉर्ड 115 आवेदन प्राप्त हुए जो इस योजना को मिली अभूतपूर्व सफलता की एक और पहचान है।

ऑटो पीएलआई स्कीम के तहत दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि पर सरकार का खर्च 25,938 करोड़ रूपए आएगा। लेकिन इससे इस उद्योग में नए निवेश के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। रोज़गार के अतिरिक्त अवसर पैदा होंगे, सो अलग। इससे ऑटोमोबाइल उद्योग को उच्चतर उत्पादों की मूल्य श्रृंखला में शामिल होने की प्रेरणा मिलेगी और हम ग्लास्गो शिखर सम्मेलन में हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं को प्राप्त करने की ओर बढ़ सकेंगे।

हमने हाल ही में उन 2० आवेदकों की सूची जारी की है जिन्हें ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग के लिए पीएलआई योजना की चैम्पियन ओईएम (मूल उपकरण निर्माता) स्कीम के तहत लाभ दिया जाना है। इस योजना पर 45,०16 करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान है। जिन ओईएम को चैम्पियन माना गया है, उनमें से 1० ओईएम यात्री वाहन निर्माता हैं और व्यावसायिक वाहन बना रहे हैं। इनमें चार ऐसे ओईएम भी हैं जो दुपहिए और तिपहिए वाहन बना रहे हैं जबकि 6 ओईएम ऐसे हैं जो गैर-ऑटोमोटिव निवेशक हैं। हमारा मंत्रालय अब चैंपियन कंपोनेंट प्रोत्साहन योजना के तहत प्रोत्साहन पाने वालों की सूची को अंतिम रूप दे रहा है। हम इसे जल्दी ही जारी करेंगे।

ऑटो उद्योग इस समय अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और सरकार ऐसी नीतियों और योजनाओं पर काम करने के प्रति कटिबद्ध है जिनसे इस उद्योग के लिए इन परिवर्तनों को अपनाना सहज हो सके। सरकार को भरोसा है कि ऑटो उद्योग इन नीतियों का सर्वोत्तम उपयोग करेगा और हम ऑटो विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, ऑटो विनिर्माण एवं तकनीक में प्रगतिशीलता और जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के तीन महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे।

लेखक केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री हैं

कई परियोजनाओं को लेकर काफी व्यस्त है नागा चैतन्य

अभिनेता नागा चैतन्य, विक्रम कुमार के निर्देशन में थैंक यू नामक एक फिल्म प्रोजेक्ट पर काम करने में व्यस्त हैं।

अभिनेता अपने करियर के सुनहरे दिनों का आनंद ले रहे है।

सूत्रों के मुताबिक नागा चैतन्य जल्द ही एक प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट में नजर आने वाले हैं, जो एक वेब सीरीज है। हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन खबर है कि चैतन्य जल्द ही प्राइम वीडियो सीरीज की शूटिंग शुरू करेंगे।

वेब सीरीज के अलावा चर्चा है कि नागा चैतन्य की पांच से ज्यादा डायरेक्टर्स से बातचीत चल रही है। अभिनेत्री नंदिनी रेड्डी, जो अपनी फिल्मों आला मोडलैंडी और ओह बेबी के लिए जानी जाती हैं, उन्होंने जाहिर तौर पर चैतन्य को एक कहानी सुनाई है।

सूत्रों के मुताबिक नेनु शैलजा फेम किशोर तिरुमाला, श्याम सिंघा रॉय के डायरेक्टर राहुल सांकृत्यान और वेंकट प्रभु की बातचीत चैतन्य से हो रही है।

उपरोक्त परियोजनाओं के अलावा निर्देशक विजय कनकमेडला ने जाहिर तौर पर लव स्टोरी के नायक के लिए एक पटकथा तैयार की है। खैर, इनमें से कौन सा प्रोजेक्ट शुरू होगा, यह अभी भी ज्ञात नहीं है।

नागा चैतन्य की हालिया फिल्मों मजिली, लव स्टोरी और बंगाराजू ने उन्हें हर तरफ से प्रशंसा दिलाई। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र. 139

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.138 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

मैं अपने ऑनस्क्रीन चरित्र से बहुत अधिक संबंधित हो सकती हूं: तन्वी ठक्कर

टीवी शो 'घूम है किसी के प्यार में' में शिवानी की भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री तन्वी ठक्कर अपनी भूमिका से काफी जुड़ी हुई हैं।

वह कहती है: मैं अपने ऑनस्क्रीन चरित्र से बहुत अधिक संबंधित हो सकती हूं। एक अभिनेता के रूप में हम हमेशा वेब सामग्री देखते हैं और आशा करते हैं कि हमें ऐसे किरदार निभाने को मिल सकते हैं जिनसे हम संबंधित हो सकते हैं और वास्तविक जीवन के लिए बहुत व्यावहारिक हैं। शो में मेरा चरित्र इस तरह है वह। जब मैं अपनी पंक्तियों को पढ़ता हूं तो मुझे लगता है, इस तरह की स्थिति में मैं शायद वही कहूंगा। शिवानी की भूमिका निभाने में मुझे यही सबसे ज्यादा पसंद है।

तन्वी ने 2००8 में टेलीविजन शो 'मिले जब हम तुम' से टेलीविजन पर अभिनय की शुरुआत की। हाल ही में उन्होंने शो में एक्ट्रेस यामिनी मल्होत्रा को रिप्लेस किया। तन्वी शो के लिए एक्टिंग का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री आगे कहती हैं: शो में अभिनय करने का मेरा अनुभव बहुत ही बेहतरीन रहा है। टीम से लेकर कलाकारों तक हर कोई बहुत गर्मजोशी और स्वागत करता है। यह एक ऐसा शो है जो चार्ट में भी शीर्ष पर है, इसलिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की अतिरिक्त जिम्मेदारी इतनी है मजेदार और चुनौतीपूर्ण।

अफवाहों के संजाल से मालामाल राजनीति

शमीम शर्मा

अफवाह फैलाने में महिलाओं के योगदान को यत्र-तत्र-सर्वत्र महिमामंडित किया जाता रहा है। इसमें तथ्यात्मक सच्चाई कितनी है, इस पर बहस फिर किसी दिन, पर आज तो मैं यह सोचकर हैरान हूं क्या किसी ने सोचा था कि अफवाह कर्म कभी व्यवसाय भी बन सकता है। सभी राजनीतिक पार्टियां भ्रमजाल रचने के लिये कम्प्यूटर में महारत हासिल शिक्षितों की फौज रच रही हैं। यह फौज अफवाह का जंजाल गढ़ने की चुनौती से दिल-ओ-जान से जूझती है। इनके कार्य को इंटरनेट ने सरल कर रखा है। बैठे-बैठे बेबुनियाद कही बातों को पूरी दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाने का जिम्मा ये इतनी तत्परता से करते हैं कि उतनी तेजी से तो तोपें भी नहीं दागी जा सकतीं।

चुनावी वेला में इन अफवाहबाज सिपहसालारों की अहमियत कई गुणा बढ़ जाती है। दरअसल ये भ्रम-निर्माता आजकल के राजनेताओं की इनफेंटरी टुकड़ी है जो सबसे आगे रहकर वार करती हैं, मैदान तैयार करती हैं। ये भ्रमबाज परिन्दे पहले तो अफवाहों के भयानक जंगल उगाने के लिये सोशल मीडिया को काबू करते हैं और फिर इन्हीं की गप्पबाजी से भरी उड़ती-फिरती खबरों के आधार पर टीवी वालों को बहस का मुद्दा मिलता है। जनप्रवाह गढ़न्तु इन लोगों ने स्वयं भी कभी नहीं सोचा था कि एक दिन दुनिया के बाजार में इनकी डिमांड इतनी तेजी से बढ़ जायेगी। इन्हीं की उलटवांसियों को देखकर कई नेता तो व्हाट्सएप और फेसबुक के सहारे ही चुनावी जंग में कूद कर जमानत ज़ब्त करवा बैठते हैं।

महाभारत में युधिष्ठिर ने भी अफवाह के रूप में झूठ बोलना स्वीकार किया और घोषणा की थी कि कौरवों का प्रमुख सेनापति अश्वत्थामा मारा गया, जबकि अश्वत्थामा नाम के हाथी का वध हुआ था। मानव स्वभाव है कि वह सत्य की बजाय अफवाहों पर तुरंत यकीन कर लेता है। अफवाहों की उत्पत्ति कौन करता है, यह विशद शोध का विषय है। अफवाहों के तीर चलाने वाले स्वयं मजबूत ज़िरहबख्तर पहने मिलते हैं, जिनका बाल भी बांका नहीं हो सकता। पर इनकी मनगढ़ंत जनश्रुतियों के आधार पर अनेक बार बात का बतंगड़ बन जाता है और बेसिर-पैर की फुटव्वल झेलनी पड़ती है।

यह भी तो एक अफवाह ही है मरने के बाद जब तक मरने वाले का मोबाइल फारमेट न किया जाये तब तक मृतक की आत्मा को शान्ति नहीं मिलेगी।

यूक्रेन युद्ध प्रभावितों की सुध ले सरकारः नेगी

संवाददाता

देहरादून। प्रताप नगर के पूर्व विधायक विक्रम सिंह नेगी ने यूक्रेन पर रूस द्वारा किए जा रहे हमले से बिगड़े हालात पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार को समय रहते वहां पढ़ रहे छात्रों एवम अन्य लोगों की वतन वापसी की व्यवस्था कर देनी चाहिए थी।

उन्होंने कहा कि वहां के हालात काफी समय से खराब चल रहे थे, लेकिन सरकार ने कोई गंभीरता नही दिखाई। उन्होने कहा कि अभी भी वहां काफी छात्र फ़ंसे हुए हैं जिनमें उत्तराखण्ड के भी काफी छात्र है। कहा कि अभी युद्ध लम्बा चलने की संभावना है, वहां पढ़ रहे छात्रों के भविष्य पर भी संकट मंडरा रहा है। जिसके लिए सरकार को विशेष रूप से सहयोग करना चाहिए जिससे छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ न हो। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के सचिव महेश जोशी ने रूस द्वारा यूक्रेन पर हो रहे हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि भले ही ये रूस और यूक्रेन का अंदरूनी राजनीतिक मामला हो लेकिन शांति से हर समस्या का हल होना चाहिए। भारत हमेशा शांति का पक्षधर रहा है और विनाशकारी घटनाओं का विरोध करता है। बमवर्षा से हो रही तबाही से दहशत का माहौल है, हमारे देश के हजारों लोग व प्रदेश के युवा छात्र जो वहां पढ़ाई कर रहे है आज उनकी जान को खतरा है। आज हमारे सैकड़ों छात्र वहां फंसे हैं जिनके लिए पूरा प्रदेश चिंतित है और उनकी शीघ्र सकुशल वापसी की कामना करता है।

दुर्घटना कर फरार डम्पर चालक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। स्कूटी सवार को टक्कर मार उसकी मृत्यु कारित करने वाले फरार डम्पर चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

उल्लेखनीय है कि दो दिन पूर्व शेरपुर सहसपुर निवासी श्याम बहादुर ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया था कि उसका भतीजा गोपाल चंद अपनी स्कूटी से घर की तरफ आ रहा था तभी एक डम्पर चालक ने लापरवाही से डम्पर चलाते हुए उसके भतीजे को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी थी और डम्पर चालक मौके से फरार हो गया। आज पुलिस ने डम्पर चालक मौहम्मद सैफ को शीशमबाडा स्थित कूडा डंपिंग ग्राउंड से गिरफ्तार कर लिया है।

दो किलो सोना गबन करने पर फाइनेंस कम्पनी के प्रबंधक पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। दो किलो गिरवी रखे सोने को गबन करने के मामले में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मन्नापुरम फाइनेंस कम्पनी के प्रबंधक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पण्डितवाडी निवासी अनिल तिवारी ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसने सीमाद्वार स्थित मन्नापुरम फाइनेंस कम्पनी में अपना व अपनी मां के लगभग दो किलो सोने के जेवरात वर्ष 2019 को गिरवी रखे थे। उसने बताया कि वह समय पर कम्पनी की किश्त भी जमा करा रहा था। उसने बताया कि उसकी माता जी का निधन भी वर्ष 2019 के दिसम्बर माह में हो गया था। अब वह कम्पनी में अपना सोना वापस लेने गया तो कम्पनी वालों ने उसकी मां के हाथ की रसीद उसको पकडा दी कि उनकी मां अपना सोना लेकर चली गयी थी। उसने बताया कि कम्पनी के प्रबंधक व कर्मचारियों के मन में लालच आ गया और उसकी मां के फर्जी हस्ताक्षरों वाली रसीद उसको दिखा रहे हैं। वह पुलिस के पास भी गया लेकिन पुलिस ने भी उसकी सहायता करने से मना कर दिया। पुलिस ने धोखाधडी सहित विभिन्न धाराओं में मन्नापुरम फाईनेंस कम्पनी के मुख्य अधिशासी अधिकारी व प्रबंधक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महाशिवरात्रि पर्व पर रुद्राभिषेक कर खीर प्रसाद बांटा

संवाददाता

देहरादून। हनुमत सेवा समिति ने घंटाघर स्थित शिव मंदिन में रूद्राभिषेक कर खीर का प्रसाद वितरित किया।

आज यहां हनुमत सेवा समिति द्वारा महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर घंटाघर स्थित प्राचीन हनुमान व शिव मंदिर मे शिवलिंग पर समिति के संरक्षक उदय शंकर भट्ट जी के नेतृत्व में मंत्रोच्चारण के साथ रुद्राभिषेक कर महाशिवरात्रि के पर्व को खीर प्रसाद वितरित कर मनाया पंडित उदय शंकर भट्ट ने कहा वैसे तो प्रत्येक माह में एक शिवरात्री होती है। परंतु फाल्गुन माह की कृष्ण चतुर्दशी को आने वाली इस शिवरात्री का अत्यंत महत्व है। इसलिए इसे महाशिवरात्री कहा जाता है। वास्तव में महाशिवरात्री भगवान

भोलेनाथ की आराधना का ही पर्व है। जब धर्मप्रेमी लोग महादेव का विधि-विधान के साथ पूजन अर्चना करते हैं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

चरस के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर थाना पुलिस ने सुद्धोवाला के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम सौहार्द पुत्र सेवा प्रसाद निवासी केहरी गांव बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दस किलो डोडे के साथ दो भाई गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने दस किलो पोस्त डोडे के साथ दो भाई को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि आज सीओ एसटीएफ डॉ० पूर्णिमा गर्ग के द्वारा गठित एसटीएफ टीम द्वारा थाना पन्तनगर पुलिस टीम के साथ संयुक्त कार्यवाही कर पन्तनगर क्षेत्रान्तर्गत नगला बाईपास तिराहे से दो ड्रग्स तस्कर राजवीर व रमेश पुत्र दुन्दीलाल, निवासीगण तिलहर, जनपद शाहजहापुर उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से 10 किलो 140 ग्राम नाजायज डोडा बरामद हुआ। पूछताछ में उन्होंने बताया कि यह डोडा बरेली से उत्तराखण्ड में तस्करी के लिए लाये थे, और पूर्व में भी इसी तरह कई बार बड़ी खेप सप्लाई कर चुके है। पुलिस ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया है।

हजारों की नगदी के साथ चोर गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी के दस हजार रूपये के साथ एक को गिरफ्तार कर लिया जबकि उसके दो साथी पुलिस के हाथ नहीं लगे। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 फरवरी को रांझावाला डांग निवासी कमलेश प्रसाद मनवाल ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था कि दिन के समय चोरों ने उसके घर में घुसकर अलमारी का ताला तोडकर वहां से जेवरात व नगदी चोरी कर ली है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे चैक करने पर गत रात्रि एक स्कूटी सवार को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम विनोद कुमार पुत्र

जगबीर सिह निवासी शिव विहार करावल नगर दिल्ली बताया। उसने बताया कि उसने अपने दो अन्य साथियों के साथ चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने उसके कब्जे से दस हजार रूपये नगद व अन्य सामान बरामद कर लियां। उसने अपने फरार साथियों के नाम तरूण चौधरी पुत्र महेन्द्र चौधर निवासी शाहदरा दिल्ली व जैकी उर्फ जुबीन निवासी गाजियाबाद बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

एक नजर

रूसी सेना का यूक्रेन के मिलिट्री बेस पर बड़ा हमला, 70 से ज्यादा यूक्रेनी सैनिक मारे गए!

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच २४ फरवरी से शुरू लड़ाई छठे दिन में प्रवेश कर चुकी है। रूसी सेना यूक्रेन की राजधानी कीव पर लगातार हमले व बमबारी कर रही है। वहीं खारकीव में भी संघर्ष जारी है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इस मसले पर फिर से बैठक बुलाई है। दूसरी तरफ दोनों देशों के बीच बातचीत भी शुरू हो गई है। बातचीत के बावजूद रूसी सेना तेजी से कीव की तरफ बढ़ रही है। यूक्रेन की राजधानी कीव पर कब्जे के लिए रूस की तरफ से अब बेहद बड़ा मिलिट्री काफिला भेजा गया है।

रूस का ४० मील (६४ किलोमीटर) लंबा काफिला कीव की तरफ बढ़ रहा है। रूसी सेना ने खारकीव और कीव के बीच पड़ते शहर ओखतिर्का में स्थित मिलिट्री बेस को निशाना बनाया । इस हमले में ७० से ज्यादा यूक्रेनी सैनिक मारे गए हैं। कीव में कई धमाके सुने गए। रूसी हमले के बाद से अबतक यूक्रेन की तरफ भेजा गया यह सबसे लंबा मिलिट्री काफिला है। इससे पहले तक भेजे गए रूसी काफिलों का साइज ३ मील तक रहा था। यूक्रेन के अलग–अलग शहरों में एयर रेड अलर्ट जारी है। वोलिन, टेरनोपिल और रिव्ने ओब्लास्ट में सायरन बज रहे हैं।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम 105 रुपये बढ़े

नई दिल्ली। रूस–यूक्रन के बीच जारी जंग और विधानसभा चुनाव के बीच कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ गए हैं। १६ किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंड के दाम में १०५ रुपये की वृद्धि की गई है। बढ़े हुए दाम १ मार्च से लागू हैं। बढ़े हुए दाम के बाद दिल्ली में अब कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम आज से २,०१२ रुपये हो गए हैं। इन सिलेंडरों का इस्तेमाल आमतौर पर होटलों और रेस्तरांओं द्वारा किया जाता है। दूसरी ओर पांच किलो वाले छोटे सिलेंडर के दाम में भी २७ रुपये की वृद्धि की गई है।

ऐसे में दिल्ली में अब इसकी कीमत ५६६ रुपये होगी। घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में कोई वृद्धि नहीं की गई है। भारत में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एलपीजी सिलेंडर की दर मासिक रूप से संशोधित की जाती है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर (१४.२ किलोग्राम) की बात करें तो ६ अक्टूबर २०२१ के बाद से इनके दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसे ८६६.५० रुपये प्रति सिलेंडर पर कायम रखा गया है।

अमेरिका ने 12 रूसी डिप्लोमेट्स को देश से निकाला

वाशिंगटन । अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र में रूस के १२ डिप्लोमेट्स को देश से निकलने का आदेश दिया है। रूसी राजदूत की ओर से ये जानकारी दी गई है। वहीं, रूस ने अमेरिका के इस कदम को शत्रुतापूर्ण कदम बताया है। अमेरिका ने कहा है कि रूस के १२ डिप्लोमेट्स को नॉन डिप्लोमेटिक एक्टिविटीज के कारण देश से बाहर निकलने के लिए कहा गया है, हमने रूस के १२ इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स को देश से निकाला है। यूक्रेन की मदद के लिए फिनलैंड भी आगे आया। फिनलैंड यूक्रेन को २५०० असॉल्ट राइफल, डेढ़ लाख बुलेट देगा। यूक्रेन की सेना ने मंगलवार को कहा कि रूसी सैनिकों ने राजधानी कीव पर फिर से हमला शुरू कर दिया है। यूक्रेन के सशस्त्र बलों के एक अधिकारी ने सोशल मीडिया पर कहा कि कीव के आसपास की स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। एक न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, दुश्मन (रूसी सैनिक) आक्रामक क्षमता खो रहा है लेकिन फिर भी वह सैन्य और नागरिक ठिकानों पर हमला कर रहा है। पोस्ट में दावा किया गया है कि रूस, बेलारूस की सर्वोच्च उच्च प्रशिक्षित सैन्य इकाइयों की मदद लेने की योजना बना रहा है और साथ ही अपने सैन्य हवाई यातायात के लिए बेलारूसी हवाई क्षेत्र का उपयोग करने पर भी जोर दे रहा है।

शिवालयों में बम-बम भोले की गूंज

संवाददाता

देहरादून। राजधानी दून सहित राज्य के सभी हिस्सों में आज महाशिवरात्रि का पर्व पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। शिवालयों में देर रात से ही श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई है और भक्त भोले की आराधना कर रहे हैं। शिवालयों में घंटों की गूजों और बम-बम भोले के नारों के उद्घोष से पूरा वातावरण शिवमय हो गया है।

राजधानी दून के तमाम शिवालयों में आज भोले की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक किया गया। दून में सर्वाधिक श्रद्धालुओं की भीड़ टपकेश्वर मंदिर में देखने को मिली। आधी रात से ही यहां कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शनों और जलाभिषेक के लिए तीन-तीन, चार-चार घंटे तक लाइनों में खड़े होकर इंतजार करना पड़ा। टपकेश्वर मंदिर में भगवान शिव का रुद्राक्ष श्रृंगार किया गया

❑राज्य में धूमधाम से मनाया गया महाशिवरात्रि पर्व
❑राज्यपाल व सीएम भी पहुंचे जलाभिषेक करने

जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। आज से ही यहां लगने वाला महाशिवरात्रि मेला भी शुरू हो गया जिसमें आज भारी भीड़ देखी गई। राजधानी के मसूरी रोड पर स्थित शिव मंदिर व पंचायती मंदिर चौक मंदिर तथा तपोवन स्थित मंदिर सहित तमाम शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। इस अवसर पर मंदिरों में लाइटिंग व फूलों से सज्जा की गई है।

राज्य के राज्यपाल आज अपनी पत्नी के साथ विजय नगर स्थित शिव मंदिर पहुंचे और शिव का जलाभिषेक किया तथा पूजा अर्चना की। वही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज खटीमा में शिव मंदिर जाकर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर धामी ने कहा कि भगवान शिव की हम सभी पर कृपा बनी रहे और सब सुखी रहें और बाबा भोलेनाथ सबको समृद्ध बनाएं इसी कामना के साथ आज उन्होंने शिव की पूजा अर्चना की है। उधर हरिद्वार के कनखल स्थित दक्षेश्वर मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। शिव के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं ने रात से ही लाइने लगाना शुरू कर दिया था। उधर नीलकंठ मंदिर में आज देर रात से लाखों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान नीलकंठ का जलाभिषेक किया अल्मोड़ा के वेतालेश्वर मंदिर में भी हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा अर्चना की। पूजा का थाल हाथों में लिए श्रद्धालुओं ने भोले को धतूरा और फूल व बेलपत्र चढ़ाकर उनकी अर्चना और जलाभिषेक किया। पौड़ी के कमलेश्वर मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालु भगवान शिव की पूजा कर रहे हैं राज्य के तमाम हिस्सों नैनीताल, अल्मोड़ा तथा हल्द्वानी व उधम सिंह नगर सहित पूरे प्रदेश में आज महाशिवरात्रि की धूम रही। सीएम धामी ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी हैं।

सलाहः तुरंत कीव छोड़..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

माध्यम से दो हजार से अधिक लोगों को वापस लाया जा सका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी 15 हजार से अधिक लोग यूक्रेन के विभिन्न शहरों में फंसे हुए हैं, जिसमें सबसे अधिक छात्र हैं। जो कीव सहित अन्य शहरों में फंसे हैं इन छात्रों द्वारा लगातार अपने वीडियो आदि भेज कर अपने बारे में सूचनाएं भेजी जा रही हैं। अधिकांश छात्र बंकरों में शरण लिए हुए हैं और अपनी परेशानियों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। उनका कहना है कि इस हालात में उनका बंकरों या घरों से निकलना इसलिए मुश्किल हो रहा है क्योंकि उनके पास आवागमन का कोई साधन नहीं है।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा रूसी हमले से 3 दिन पूर्व यानी 20 फरवरी को ही यह एडवाइजरी जारी की गई थी कि भारतीय नागरिक जल्द से जल्द यूक्रेन छोड़ दें। लेकिन यूक्रेन में रह रहे भारतीयों द्वारा इस एडवाइजरी को नजरअंदाज कर दिया गया। हालांकि इस एडवाइजरी के बाद कुछ छात्र-छात्राएं स्वदेश लौट आए थे लेकिन 18 हजार से अधिक छात्रों व नागरिकों ने यूक्रेन नहीं छोड़ा था, जो अब संकट में फंसे हुए हैं। हालांकि केंद्र सरकार इनकी सुरक्षित वापसी का हर संभव प्रयास कर रही है लेकिन 15 हजार से अधिक जो लोग अभी भी यूक्रेन में फंसे हैं युद्ध की विभीषिका के बीच उन सभी को एक-दो दिन में लाया जाना संभव नहीं है। सरकार ने अपने चार मंत्रियों को भी यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भेजा गया है और उन्हें भारतीय छात्रों की वापसी में मदद की जिम्मेवारी सौंपी गई है।

6 मई को खुलेंगे केदारनाथ मंदिर के कपाट

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। बाबा केदारनाथ धाम मंदिर के कपाट 6 मई को विधिवत पूजा अर्चना के साथ खोले जाएंगे। तीर्थ पुरोहित और पंडितों ने आज केदारधाम मंदिर के कपाट खुलने की तारीख और समय का शोधन कर इस आशय की घोषणा की है।

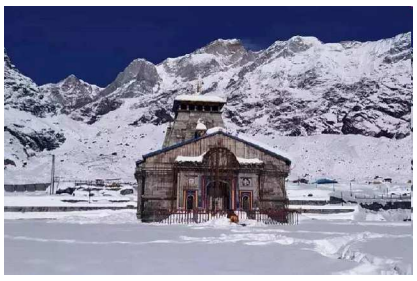

प्राप्त जानकारी के अनुसार केदार पुरी धाम के कपाट इस साल 6 मई को खोले जाएंगे। कपाट खुलने का समय सुबह 6 बजकर 25 मिनट तय किया गया है। अपने शीतकालीन प्रवास स्थल उखीमठ के ओमकारेश्वर मंदिर से केदार बाबा की चल-विग्रह डोली विधि विधान व परंपरानुसार 2 मई को अपने ग्रीष्मकालीन प्रवास के लिए केदार पूरी को रवाना होगी तथा 5 मई की शाम केदारधाम पहुंच जाएगी। 6 मई से भगवान केदारनाथ अपने श्रद्धालुओं को दर्शनों के लिए दीपावली तक केदारधाम में प्रवास करेंगे।

कुत्ते को शराब पिलाना पड़ा भारी, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। कुत्ते को शराब पिलाना दो लोगो पर भारी पड गया और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेस्कूयू बाई गरिया एनिमल स्टेट एण्टी पील्यूशन आर्मी चैरिटेबल ट्रस्ट की गरिमा ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि विकास जोशी व सौरभ जोशी नामक युवको के द्वारा एक विवाह समारोह के दौरान वहां पर घुम रहे कुत्तों को जबरन पकडकर शराब पिलायी गयी तथा उसका फोटों खींचकर उसको फेसबुक में अपलोड किया गया। प्रेमनगर थाना प्रभारी कुलदीप पंत ने जानकारी देते हुए बताया कि किसी विवाह समारोह की यह घटना है जिसको युवकों के द्वारा फेसबुक में अपलोड की गयी जिससे वह वायरल हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।